मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 71
भोपाल, सोमवार
28 अप्रैल 2025
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

03 राज्य सरकार दिव्यांगजनों के आत्म सम्मान की रक्षा के लिये...

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 3-2 से हराया 06

मध्यप्रदेश में 71 करोड़ का आबकारी घोटाला मामला

आबकारी अधिकारियों और शराब ठेकेदारों के 11 ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में 71 करोड़ रुपये के आबकारी फर्जी बैंक चालान घोटाले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज सुबह बड़ी कार्रवाई की। ईडी की 18 टीमों ने इंदौर, भोपाल और जबलपुर में आबकारी अधिकारियों और ठेकेदारों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। सूत्रों के मुताबिक, इस घोटाले की राशि 72 से 100 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है।यह घोटाला शराब कारोबारियों और आबकारी अधिकारियों के गठजोड़ से फर्जी चालानों के जरिए किया गया। शिकायतकर्ता राजेंद्र गुप्ता ने ईडू को साक्ष्य और बयान दिए। 6 मई को ईडी ने प्राथमिकी दर्ज की और आबकारी आयुक्त से 5 बिंदुओं पर जानकारी मांगी थी। हालांकि भेजी गई जानकारी को श्वष्ठ ने अधूरी बताकर दोबारा पूरी जानकारी मांगी।

इंदौर, भोपाल और जबलपुर में 18 टीमें अधिकारियों और ठेकेदारों के ठिकाने पर कर रही जांच

क्या है मामला

जांच में सामने आया कि शराब कारोबारियों ने बैंक में मात्र 10 हजार रुपये जमा कराए और षड्यंत्रपूर्वक चालानों में इसे 10 लाख रुपये दिखाकर वेयरहाउस से देसी व विदेशी शराब उठा ली। इस गड़बड़ी से कारोबारियों को भारी मुनाफा हुआ, जबकि सरकार को 1त्न इनकम टैक्स और 8 प्रतिशत परिवहन शुल्क का करीब 97.97 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कुल 194 फर्जी चालानों के जरिए यह घोटाला अंजाम दिया गया। आबकारी आयुक्त की रिपोर्ट के अनुसार, सबसे बड़ी गड़बड़ी 2015 से 2018 के बीच इंदौर जिले में हुई। जांच में सामने आया कि इंदौर में कूटरचित चालानों के जरिए शासन को 42 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया गया।

हाईकोर्ट में भी याचिका

इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि इस घोटाले में आबकारी अधिकारियों की ठेकेदारों के साथ संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, सरकार ने आईएएस स्नेहलता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एक विभागीय जांच समिति भी बनाई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट में दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की थी। अब इस मामले में आज ईडी की टीम ने इंदौर के साथ-साथ भोपाल और जबलपुर में भी आरोपियों के ठिकानों पर रेड की है।

संक्षिप्त समाचार

आज कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली, दिग्विजय-कमलनाथ शामिल होंगे

ग्वालियर। ग्वालियर में आज कांग्रेस पार्टी प्रदेश स्तरीय संविधान बचाओ रैली का आयोजन कर रही है। यह कार्यक्रम वीरांगना लक्ष्मीबाई समाधि के सामने मैदान में होगा, जहां पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, सांसद अशोक सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। कार्यक्रम में करीब 7 हजार लोगों के जुटने की संभावना है। मैदान में पांच हजार लोगों के बैठने के लिए कुर्सियां लगाई गई हैं, जबकि लगभग दो हजार लोग आसपास खड़े रह सकेंगे। तेज गर्मी को देखते हुए मैदान को पूरी तरह एयरकूल्ड बनाया गया है।

जम्मू-कश्मीर में आतंक पर प्रहार डोडा में 13 ठिकानों पर छापेमारी

जम्मू। पहालगाम आतंकी हमले के बाद सोमवार सुबह जम्मू-कश्मीर पुलिस ने डोडा जिले में 13 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। इन कार्रवाइयों का लक्ष्य आतंकियों के ठिकानों का भंडाफोड़ करना है और आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े लोगों पर कानूनी शिकंजा कसना है। 22 अप्रैल को पहलगाम के बायसरन में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक नेपाली था। इस हमले में बहुत से लोग घायल हो गए। घटना के बाद से घाटी की सुरक्षा और अधिक बढ़ा दी गई है। साथ ही, श्रीनगर पुलिस ने आतंकियों के नेटवर्क से जुड़े लोगों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की, शहर में कई स्थानों पर छापेमारी करते हुए। यह छापेमारी प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के ओवरग्राउंड वर्कर्स और उनके सहयोगियों के घरों पर हुई। पुलिस ने बताया कि कुल 63 लोगों के घरों में छापे डाले गए।

बिजली गिरने से यूपी-बिहार में 4 की मौत

नई दिल्ली। उत्तरप्रदेश और बिहार में सोमवार को बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में एक बच्ची और फतेहपुर में किसान की मौत हुई। वहीं, बिहार के पटना और हाजीपुर में 1-1 व्यक्ति की मौत हुई है। मौसम विभाग ने आज भी देश के 21 राज्यों में तेज बारिश के साथ आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। वहीं, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली में हीटवेव का अलर्ट है।

पहलगाम हमले के बाद आतंकियों को मुहतोड़ जवाब देने की तैयारी में जुटा भारत

पहले आर्मी चीफ से मुलाकात, फिर पीएम को रिपोर्ट करने पहुंचे रक्षा मंत्री

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पहलगाम हमले के बाद कुछ बड़ा होने की चर्चा तेजी से चल रही है। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार सुबह सबसे पहले आर्मी चीफ से मुलाकात की और लंबी मंत्रणा की। उसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लोक कल्याण मार्ग स्थिति प्रधानमंत्री आवास पहुंचे और वहां पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। राजनाथ ने पीएम को ताजा हालात के बारे में अपडेट दिया है। दोनों नेताओं के बीच करीब 40 मिनट तक गहन मंत्रणा हुई।

रक्षा मंत्री सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक की है और पहलगाम में चल रहे ऑपरेशन और स्थिति की जानकारी दी है। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुबह साउथ ब्लॉक पहुंचे थे, जहां उन्हें सेना प्रमुख ने सैन्य ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी थी। दरअसल, पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी का बेहद रुख देखा जा रहा है। ऐसे में पूरी दुनिया में यह चर्चा है कि कुछ बड़ा होने वाला है और भारत आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने जा रहा है। दिल्ली से लेकर बॉर्डर तक हाईअलर्ट देखने को मिल रहा है।

पहलगाम में चल रहे ऑपरेशन और स्थिति की जानकारी दी

गोपनीय रखी जाएगी जानकारी

पहलगाम में आतंकी हमले पर देश का आक्रोश थम नहीं रहा है। आतंकियों को गिरफ्त में लेने का ऑपरेशन लगातार चल रहा है। संकेत बड़ी तैयारी के हैं। पीएम मोदी और रक्षा मंत्री सिंह की इस बैठक की जानकारी को पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। ये बैठक सैन्य ऑपरेशन की रणनीति का हिस्सा है।

पाकिस्तान से तनाव के बीच भारत खरीदेगा 26 राफेल-एम

फ्रांस के साथ आज होगी 63 हजार करोड़ की डील

इधर, भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, भारत और फ्रांस सोमवार को दिल्ली में 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों के लिए 63 हजार करोड़ रुपये के सौदे पर दस्तखत करेंगे। इस मौके पर भारतीय रक्षा मंत्रालय के अधिकारी और भारत में फ्रांस के राजदूत दोनों देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, भारत की तरफ से रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह शामिल हो सकते हैं, जबकि फ्रांस और भारत के रक्षा मंत्री वर्चुअल तरीके से समारोह में जुड़ेंगे। हस्ताक्षर समारोह रक्षा मंत्रालय के साउथ ब्लॉक के बाहर होने की संभावना है। पहले फ्रांस के रक्षा मंत्री खुद आने वाले थे, लेकिन निजी कारणों से उन्होंने अपनी यात्रा रद्द कर दी।

INS विक्रांत में किया जाएगा शामिल

राफेल एम जेट आईएनएस विक्रांत से संचालित होंगे और यह मौजूदा मिग-29के विमानों की मदद करेंगे। भारतीय वायु सेना पहले से ही 2016 में खरीदे गए 36 राफेल विमानों का बेड़ा चला रही है, जो अंबाला और हासीमारा में तैनात हैं। इस नए सौदे के बाद भारत में राफेल विमानों की कुल संख्या 62 हो जाएगी, जिससे देश के 4.5 पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की ताकत में बड़ी बढ़ोतरी होगी।

भारत का पाकिस्तान के खिलाफ एक और डिजिटल एक्शन

शोएब अख्तर व 16 यूट्यूब चैनल्स पर लगाया बैन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ एक और कदम उठाते हुए भारत सरकार ने देश में पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर सहित 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर बैन लगा दिया है। कई न्यूज चैनलों की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग पर भी बैन लगा दिया गया है। इसमें डॉन न्यूज, एआरवाई न्यूज, समा टीवी और जियो न्यूज शामिल हैं। पाकिस्तान के खिलाफ यह सख्त कदम गृह मंत्रालय की सिफारिशों के आधार पर उठाया गया है। इसमें कहा गया था कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संसेटिव कंटेंट, झूठे और भ्रामक बयान और गलत जानकारी प्रसारित कर रहे थे।

भारत सरकार ने जिन यूट्यूब चैनल्स को बैन किया हैं। उनमें इरशाद भट्टी, अस्मा शिराजी, उमर चीमा और मुनीब फारूक जैसे पत्रकारों द्वारा चलाए जाने वाले चैनल भी शामिल हैं। इतना ही नहीं इन चैनलों में द पाकिस्तान रेफरेंस, समा स्पोर्ट्स, उजैर क्रिकेट और रजा नामा भी है और पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर के यूटयूब चैनल पर भी बैन लगा दिया गया है।

सोमवार को भारत सरकार ने बीबीसी की पहलगाम आतंकी हमले पर की गई रिपोर्टिंग पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। बीबीसी ने अपनी एक रिपोर्ट में, जिसका शीर्षक था "Pakistan suspends visas for Indians after deadly Kashmir attack", इस आतंकी घटना को मिलिटेंट अटैक (उग्रवादी हमला) बताया। इस शब्दावली से नाराज होकर नरेंद्र मोदी सरकार ने बीबीसी इंडिया की प्रमुख जैकी मार्टिन को औपचारिक पत्र लिखा है।

अंतर्मना उवाच

चमोली, उत्तराखंड: प्रतिदिन की भांति खुले आसमान के नीचे भरी दोपहरी में तपोशिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज दोपहर की सामयिक करते हुए...

वक्त का पासा कभी भी पलट सकता है.. इसलिए वही सितम करो जो सहन कर सको..!

*वैसे भी जन्म से लेकर आज तक कौन सी चीज एक सी रही है..? आपका कद, काठी, रंग, रूप, सुनना, देखना, हँसना, बोलना, सब कुछ बदल जाता है। जब शरीर बदल जाता है तो रिश्ते, समय, हालात, वाणी, व्यवहार बदल जाये तो अफसोस मत करो। **परिवर्तन का नाम ही स्वार्थमयी संसार है।** इसलिए अपने आप में इतना लचीलापन बनाकर रखो कि कभी ऐसी स्थिति आये तो हम डिप्रेशन के शिकार ना बन पायें। **ऐसा भी होता है** यह बोलकर आगे बढ़ जाएं और अपनी दिशा चैंज कर लें। **दूसरों की बैसाखी के सहारे कब तक चलेंगे..?** बैसाखी तो अपाहिज लोग लेते हैं, आप तो पुरे हाथ, पैर और अच्छी सोच वाले इंसान हो। फिर क्यों परेशान हो रहे हो..?*

*हम अपनी ज़िन्दगी में बहुत कुछ कर सकते हैं, अगर खुद को खुद पर भरोसा हो तो। **जिंदगी में नई दिशा, नये संकल्प और बेहतरीन इरादों के साथ, अपने आपको हमेशा तैयार रखो...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

धार में भीषण सड़क हादसा

शादी समारोह में शामिल होने जा रहे सभी चार लोगों की मौत

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले में भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। बताया गया कि कार सड़क किनारे खड़े एक वाहन में जा घुसी। यह सभी विवाह समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इस दौरान काल की गाल में समा गए। यह पूरी घटना तिरला थाना क्षेत्र की है। फिलहाल पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। यह सभी स्विफ्ट डिजायर कार में सवार होकर झाबुआ से धार शादी समारोह में जा रहे थे। इस दौरान भीषण सड़क हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि भलगांवाडी के पास उनकी कार सड़क किनारे खड़े अज्ञात वाहन में जा घुसी।

जिससे कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें एक झाबुआ, एक रतलाम और एक धार जिले के राजगढ़ का बताया जा रहा है। चारों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए धार के जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। सीएसपी रविंद्र वास्कले, यातायात थाना प्रभारी रोहित निकम जिला अस्पताल पहुंचे हैं।

ओटीटी पर अश्लीलता को लेकर सुप्रीमकोर्ट गंभीर

केंद्र सरकार और कंपनियों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को ओवर द टॉप (ओटीटी) और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील कंटेंट की स्ट्रीमिंग पर रोक लगाने के लिए उचित कदम उठाने के निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर केंद्र सरकार और कंपनियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि याचिका एक गंभीर चिंता पैदा करती है। केंद्र को इस पर कुछ कदम उठाने की जरूरत है। यह मामला कार्यपालिका या विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे भी हम पर आरोप हैं कि हम कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में दखल देते हैं। फिर भी हम नोटिस जारी कर रहे हैं। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ह्लञ्जञ्ज और सोशल मीडिया कंटेंट को लेकर कुछ रेगुलेशन पहले से मौजूद हैं। सरकार कुछ और नए नियम लागू करने पर विचार कर रही है। याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट विष्णु शंकर जैन पेश हुए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार को अश्लील कंटेंट की स्ट्रीमिंग की रोक लगाने के लिए सही कदम उठाने का निर्देश देने की मांग को लेकर याचिका लगाई गई है।

जम्मू विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया

विधायकों ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए मौन रखा

जम्मू ■ एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद आज जम्मू विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है। सत्र में आतंकी हमले की निंदा करने के साथ आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी गई। पहलगाम हमले के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया था। इस आग्रह को उपराज्यपाल ने स्वीकार करते हुए 28 अप्रैल को विशेष सत्र बुलाने की मंजूरी दी थी। नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि बीते दिनों हुई सर्वदलीय बैठक में सभी ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाई। जम्मू, जम्मू-कश्मीर में पहलगाम हमले पर, नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुख्य सचेतक मुबारक गुल ने कहा, यह एक क्रूर हमला था... एक निर्दोष की हत्या पूरी मानवता की हत्या है... यह हमारी संस्कृति नहीं है... पूरे कश्मीर ने इस हमले की निंदा की है... जम्मू-कश्मीर विधानसभा की कार्यवाही पर, उन्होंने कहा, हम आपको विधानसभा में जो कुछ भी होगा, उसके बारे में बताएंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा, ...मुझे लगता है कि देश में हमारी पहली विधानसभा है जो इस घटना की निंदा करते हुए प्रस्ताव ला रही है।

नवाज शरीफ चाहते हैं कि बातचीत से दोनों देशों के बीच शांति बहाल हो

बढ़ते तनाव के बीच नवाज शरीफ की पाक पीएम शहबाज को सलाह

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पीएमएल-एन अध्यक्ष नवाज शरीफ को भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद बुलाई गई राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक के बारे में जानकारी दी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के अध्यक्ष नवाज शरीफ को राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी दी। यह बैठक भारत द्वारा सिंधु जल संधि को सस्पेंड करने के बाद बुलाई गई थी. भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद ये सख्त कदम उठाया था। शहबाज शरीफ ने नवाज शरीफ से मुलाकात के दौरान बताया कि ये एक फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन था। इसका मतलब कि भारतीयों द्वारा ये जानबूझकर किया गया ताकि क्षेत्र में अस्थिरता फैलाई जा सके. शहबाज शरीफ ने कहा कि भारत के इस एकतरफा कदम ने दोनों देशों के बीच युद्ध के खतरे को और बढ़ा दिया है। इस बैठक में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज भी मौजूद थीं।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान शांति के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन देश की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता. ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पीएमएल-एन के एक सूत्र ने कहा कि नवाज शरीफ चाहते हैं कि उनकी सरकार दोनों देशों के बीच शांति बहाल करने के लिए बातचीत से हल निकाले। उन्होंने कहा कि नवाज आक्रामक रुख अपनाने के इच्छुक नहीं हैं।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की आयोग गठित करने की पेशकश

इससे पहले रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत को इस घटना की जांच के लिए अमेरिका, ईरान, चीन, रूस और ब्रिटेन के अधिकारियों सहित एक अंतरराष्ट्रीय आयोग गठित करने की पेशकश की थी. उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो पाकिस्तान दुनिया के सामने तथ्य सामने लाएगा. उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि ये सिर्फ एक नाटक था, लेकिन इस झूठ से पर्दा उठाने के लिए हम किसी भी आयोग के साथ काम करने को तैयार हैं। हालांकि, अगर भारत कोई दुस्साहस करता है तो हम भी पीछे नहीं हटेंगे।

रजिया सुल्ताना ने लगाई मोदी सरकार से गुहार

हमें गोली मार दो लेकिन भारत से बाहर मत निकालो

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से पाकिस्तान के नागरिकों को बाहर निकालने की कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद से ही ऐसे तमाम लोगों की कहानी मीडिया में सामने आ रही हैं, जो पिछले कई दशकों से भारत में रह रहे हैं लेकिन उन्हें देश छोड़ने का नोटिस मिला है। ऐसी ही कहानी ओडिशा के बालासोर जिले के सोरो की रहने वालीं रजिया सुल्ताना की है। रजिया सुल्ताना की उम्र 72 साल है और उन्होंने भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है। रजिया सुल्ताना कहती हैं, अगर हमने कुछ गलत किया है, तो सरकार हमें गोली मार दे लेकिन हमें देश से बाहर न निकाले। रिपोर्ट के मुताबिक रजिया 4 साल की उम्र से ही भारत में रह रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 12 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट जिलों में अलग-अलग अभियानों में 12 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। संयुक्त राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा (पाम्बेई धड़ा) के चार कैडर और एक सहयोगी वांगखई थांगपट मापन से पकड़े गए हैं। पुलिस मुख्यालय के बयान के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान वांगमयुम अजीजुर रहमना (52), शेख वसीम राजा (30), मो. फारुक खान (19), फुशम अजमीर (24) और खुल्लकपम इबोसाना (44) के रूप में हुई है। ये सभी जबरन वसूली और स्थानीय लोगों को डराने-धमकाने में शामिल थे। आरोपितों के पास से जिंदा कारतूस, मोबाइल फोन और एक चार पहिया वाहन बरामद किया गया। इबोसाना, उग्रवादियों और आम नागरिकों के बीच दलाल की भूमिका निभाता था। एक अन्य अभियान में प्रीपाक (प्रो) कैडर तखेल्लंबम मइपकसाना सिंह (29) को इंफाल सिटी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट गेट के पास से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से दो मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड बरामद हुआ। वह बामोन लेकाई स्थित एक गैस एजेंसी को बंद कराने की घटना में भी शामिल था। पूछताछ में उसने प्रीपाक (प्रो) के कमांडर के आदेश पर काम करना स्वीकार किया।

सहकारी घोटाले की आरोपी सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस की सांसद माया गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस की केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने सहकारी घोटाले के एक मामले में आरोपित सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस की सांसद माया राई को बीती रात गिरफ्तार कर लिया। रविवार को संसद को इसकी औपचारिक जानकारी दी गई है। सीआईबी ने काठमांडू में स्वर्ण लक्ष्मी सहकारी बैंक में हुए 265 करोड़ रूपये के घोटाले में सांसद राई की संलग्नता की पुष्टि होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किए जाने का दावा किया है। बीती रात को उनके निवास से ही क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एसपी रमेश बस्नेत ने बताया कि आठ महीने से फरार की सूची में रही नेपाल कांग्रेस की सांसद माया राई को गिरफ्तार कर इसकी जानकारी संसद सचिवालय को दे दी गई है। रविवार को सदन की बैठक शुरू होते ही स्पीकर देवराज घिमिरे ने पुलिस द्वारा सांसद राई को गिरफ्तार किए जाने की औपचारिक जानकारी दी। फिलहाल गिरफ्तार सांसद राई को जिला अदालत काठमांडू में पेश कर उनसे पूछताछ करने के लिए आठ दिनों की कस्टडी मांगी थी जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया है। अदालत में इस संबंध में चार्जशीट दायर होने के बाद से ही सांसद राई की गिरफ्तारी के लिए अरेस्ट वारंट जारी किया गया था।

ट्रंप का बयान अतिश्योक्तिपूर्ण, 15 सौ साल से चल रहा भारत-पाक सीमा विवाद

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में अमेरिका की किसी भूमिका से इंकार किया है। ट्रंप ने कहा कि दोनों देश इस मसले को किसी न किसी तरह सुलझा लेंगे। ट्रंप पहले अपने कार्यकाल में भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश कर चुके हैं, लेकिन अब ट्रंप से पूछा कि क्या वे इस मुद्दे पर चिंतित हैं और क्या वे दोनों देशों के नेताओं से बात करने वाले हैं, तब उन्होंने इस बार मध्यस्थता की पेशकश नहीं की। रोम में वे पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। ट्रंप ने मजाकिया अंदाज में कहा कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव 1500 साल से चल रहा है। हालांकि, यह ऐतिहासिक रूप से अतिशयोक्ति है। भारत हमेशा से अपनी सीमा विवादों में बाहरी मध्यस्थता के खिलाफ रहा है, चाहे वह पाकिस्तान के साथ हो या चीन के साथ। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने कई बार मध्यस्थता की मांग की है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि इस बार पाकिस्तान ने कोई हस्तक्षेप मांगा है। ट्रंप की पहली पेशकश तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के सार्वजनिक अनुरोध के बाद आई थी, लेकिन भारत ने ठुकरा दिया था। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में भी भारत-चीन सीमा विवाद में मध्यस्थता की पेशकश की थी।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र ने की पहलगाम आतंकी हमले की निंदा, व्यक्त कीं संवेदना

काठमांडू। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि हिन्दू तीर्थयात्रियों को निशाना बना कर एक नेपाली नागरिक सहित 28 लोगों की मौत पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। शनिवार को पूर्व राजा ने हमले पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमला मानवता और हिन्दू समुदाय के खिलाफ एक अक्षम्य और जघन्य अपराध है। हम इस त्रासदी की कितनी भी कड़ी निंदा करें, यह कभी भी नुकसान की भयावहता को व्यक्त करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। उन्होंने सनातन वैदिक हिन्दुओं की मूल मान्यता वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत का हवाला देते हुए कहा कि यह विचार कि दुनिया एक परिवार है।

समावेशिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारी समृद्ध विरासत है: उपराष्ट्रपति

कोयंबटूर ■ एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता है, एक शांतिप्रिय देश है, जहां समावेशिता और अभिव्यक्ति एवं विचार की स्वतंत्रता हमारी विरासत है।

तमिलनाडु के कोयंबटूर में तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय में विविधतापूर्ण भारत के लिए कृषि शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा विषयक सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यदि हम हजारों वर्षों के इतिहास पर नजर डालें तो पाएंगे कि हमारी सभ्यता में समावेशिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बढ़ी है, फली-फूली है और उसका सम्मान किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग में अभिव्यक्ति और समावेशिता की बहुलता और प्रवणता विश्व में सबसे अधिक है।

चारों ओर देखिए, भारत जैसा कोई अन्य देश नहीं है जो समावेशिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रदर्शन कर सकता है। इस महान देश के नागरिक के रूप में- सबसे बड़े लोकतंत्र, सबसे पुराने लोकतंत्र, सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र - हमें बहुत सावधान, सचेत रहना चाहिए और यह समझना चाहिए कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और समावेशिता हमारी राष्ट्रीय परिसंपत्ति बननी चाहिए। कृषि क्षेत्र के बारे में उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि हमें खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर किसानों की समृद्धि की ओर बढ़ना होगा। किसान समृद्ध होना चाहिए और यह विकास तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों से निकलना चाहिए।

उन्होंने बताया कि किसानों को कृषि भूमि से बाहर आकर अपने उत्पादों के विपणन में भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को सिर्फ उत्पादक होने के बारे में नहीं भूलना चाहिए। इसका मतलब है कि वे कड़ी मेहनत और अथक परिश्रम से फसल उगाते हैं और उसे सही समय पर बाजार में बेचते हैं, जबकि उन्हें उसका मालिकाना हक नहीं होता। इससे आर्थिक दृष्टि से बहुत लाभ नहीं होता।

उन्होंने किसानों को शिक्षित करके उन्हें सशक्त बनाने का आह्वान किया तथा उन्हें यह बताया कि सरकार की सहकारी प्रणाली बहुत मजबूत है।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि, तमिलनाडु सरकार के मानव संसाधन प्रबंधन मंत्री एन कयालविजी सेल्वराज, कृषि उत्पादन आयुक्त और सरकारी सचिव वी दक्षिणामूर्ति, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय अनुसंधान निदेशक डॉ एम रविंद्रन, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार और कार्यवाहक कुलपति डॉ आर तमीज वेंडन और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

वाटर स्ट्राइक का असर : झेलम में आई बाढ़, चिनाब में सूखा

मुजफ्फराबाद में अचानक आई बाढ़, इमरजेंसी की घोषित

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा उठाए गए कदमों का अब पाकिस्तान में असर दिखने लगा है। भारत की और से बह रही झेलम नदी का पानी छोडने् पर पाकिस्तान में बाढ़ आ गई। पाक के मुजफ्फराबाद जिले के आसपास जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बेकाबू हालत देखते हुए यहां इमरजेंसी लगा दी गई है, जबकि नदी किनारे रहने वाले लोगों में दहशत है। भारत के अनंतनाग से होकर पाकिस्तान के चखोटी इलाके में पानी तेजी से बह रहा है। पाकिस्तान ने इस बाढ़ के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि पाकिस्तान को बिना सूचित किए ही झेलम नदी का पानी छोड़ दिया, जिससे बाढ़ जैसे हालात बन गए। वहीं भारत द्वारा चिनाब नदी का पानी रोके जाने से पाकिस्तान में बहने वाली चिनाब नदी का जल स्तर तेजी से घट रहा है। यह नदी लगभग सूख सी गई है। चिनाब ऐसी नदी है जो कश्मीर से बहकर पाकिस्तान की ओर जाती है और इससे पाकिस्तान को पानी मिलता है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी चल रही है। भारत की तरफ से नदियों के पानी को रोकने का ऐलान किया गया था। अब पाकिस्तानी मीडिया में दावा किया गया है कि भारत ने

अचानक झेलम नदी में पानी छोड़ दिया। भारत द्वारा पीओके में झेलम का पानी भरने के बाद पाकिस्तान ने मुजफ्फराबाद में आपातकाल घोषित कर दिया है। रिपोर्ट में भारत पर आरोप लगाया गया है कि भारत ने पाकिस्तानी अधिकारियों को खबर दिए बिना अचानक झेलम नदी में पानी छोड़ दिया।

पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पानी छोडने् की वजह से मुजफ्फराबाद के पास जल स्तर में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। स्थानीय प्रशासन ने इसके जवाब में हट्टियन बाला में जल आपातकाल लगा दिया है। मस्जिदों में ऐलान करते हुए स्थानीय लोगों को चेतावनी भी दी गई। पानी उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले से घुसा और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के चकोठी इलाके से होकर ऊपर उठा। यह तब हुआ जब भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया।

पुतिन ने जताई युद्ध की आशंका... रूस में अलर्ट

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने सबसे पहले हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा था कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ जो भी कार्रवाई करेगा हम उसके साथ हैं। इस बीच पुतिन ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की आशंका गहरा गई है। युद्ध हुआ तो पाकिस्तान को इसका खामियाजा भुगतना होगा। उन्होंने युद्ध की आशंका के चलते अपने देश में अलर्ट घोषित कर दिया है।

भारत में भी बंकरों की होने लगी सफाई

आतंकी हमले के बाद पूरा देश अलर्ट मोड पर है। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों ने पुराने बंकरों की सफाई शुरू कर दी है। उनमें युद्ध को लेकर दहशत है। कुछ लोग यहां से पलायन भी करने लगे हैं। वहीं नौसेना ने आज लांग टर्म मिसाइल का सफल परीक्षण करते हुए कहा कि हमारी सेना युद्ध के लिए तैयार है, हम आदेश का इंतजार कर रहे हैं और इस बार पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया जाएगा।

अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन

पुलिस ने वडोदरा से 300 संदिग्धों को पकड़ा

वडोदरा ■ एजेंसी

राज्य के अहमदाबाद और सूरत के बाद अब अन्य शहरों में बांग्लादेश के अवैध घुसपैठियों को पकड़ने का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा। वडोदरा शहर के पूर्व क्षेत्र एकतानगर में पुलिस की 10 टीम ने सर्च ऑपरेशन कर 300 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इसमें 200 पुरुषों के वैरिफिकेशन के लिए थाने ले जाया गया है। इस क्षेत्र में देश के विभिन्न राज्यों से आकर लोग बसे हैं।

सर्च ऑपरेशन में बापोद सिटी पुलिस समेत डीसीबी, एसीपी, ज्वॉइंट पुलिस आयुक्त स्थल पर मौजूद थे। जानकारी के अनुसार 26 अप्रैल की देर रात अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन जब वडोदरा रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो इसकी जांच में 5 बांग्लादेशी नागरिक मिले थे। इसमें पति-पत्नी और दो बच्चों समेत एक अन्य व्यक्ति शामिल है। रेलवे पुलिस ने इनकी जांच की तो इनके बांग्लादेशी होने का सबूत मिला।

इसके बाद इन्हें हिरासत में लेकर थाने लाया गया। ज्वॉइंट पुलिस आयुक्त लीना पाटिल ने बताया कि हाल में जोन-4 बापोद पुलिस स्टेशन क्षेत्र में स्थित एकतानगर में 100 महिलाओं और 200 पुरुषों को डिटेन किया गया है। इसमें 200 पुरुषों को वैरिफिकेशन के लिए थाने लाया गया है।

वडोदरा शहर के पुलिस आयुक्त नरसिम्हा कोमार ने बताया कि इन सभी लोगों के डाक्यूमेंट की जांच, डॉक्यूमेंट की सत्यता और यह डाक्यूमेंट किस तरह बनाए गए हैं, इन सभी की जानकारी जुटाई जा रही है। जानकारी के अनुसार 26 अप्रैल की आधी रात से चले सर्च ऑपरेशन में अहमदाबाद में 890 और सूरत में 134 अवैध बांग्लादेशी पकड़े जा चुके हैं।

पुलिस इन सभी को डिपोर्ट करने की कार्रवाई में जुटी है। इसके अलावा राज्य के अन्य शहरों में भी सर्च ऑपरेशन चला कर बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ने की कार्रवाई की जा रही है।

राज्य के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने मामले में गुजरात में रहने वाले अवैध बांग्लादेशियों को दो दिन के भीतर नजदीक के थानों में सरेंडर करने का अल्टीमेटम दे रखा है।

चीन ने रोबोट्स मामले पर जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ा, अब साउथ कोरिया और सिंगापुर से होड़

बीजिंग ■ एजेंसी

चीन की राजधानी बीजिंग में पिछले दिनों इंसानों और 21 रोबोट्स के बीच अनोखी हाफ मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया था। यह पहली बार था जब मशीनों ने 21 किलोमीटर करीब 13 मील की दूरी तक इंसानों के साथ दौड़ लगाई। यह इवेंट बीजिंग के दक्षिण-पूर्वी यिझुआंग जिले में हुआ था, जहां चीन की कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों का ऑफिस है।

दरअसल रोबोट्स के बीच मैराथन दौड़ कराकर चीन बतलाना चाहता था कि रोबो की दुनिया में वह अकेला बादशाह है। रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीन अपनी तरक्की को दिखा रहा था। चीन की ड्रॉयडअप और नोएटिक्स रोबोटिक्स जैसी कंपनियों के रोबोट्स ने भी इस रेस में हिस्सा लिया। रेस में शामिल कुछ रोबेट्स का साइज 120 सेमी (3.9 फीट) से कम था, जबकि कुछ 1.8 मीटर (5.9 फीट) तक ऊंचे थे।

इस प्रकार देखने में आया है कि चीन ने बीते कुछ सालों में रोबोटिक्स में तेजी से तरक्की करके जर्मनी और जापान को पीछे

छोड़ दिया है। चीन में 2023 तक प्रति 10 हजार कर्मचारियों पर 470 रोबोट थे, यह आंकड़ा जर्मनी के 429 और जापान के 419 से ज्यादा है। अब सिर्फ साउथ कोरिया और सिंगापुर ही रोबोट घनत्व में चीन से आगे हैं। ग्लोबल ह्यूमनॉइड रोबोट मार्केट का साइज 2023 में 2.43 अरब डॉलर (19 हजार करोड़ रुपए) का था, जिसके 2032 तक 66 अरब डॉलर (5 लाख 63 हजार करोड़ रुपए) तक पहुंचने का अनुमान है। ह्यूमनॉइड रोबोट एक प्रकार का रोबोट है, जिसका आकार इंसानी शरीर जैसा होता है। फिलहाल ह्यूमनॉइड रोबोट विकास के शुरुआती स्टेज में है। वहीं भारत का ह्यूमनॉइड रोबोट बाजार 2023 में 42 मिलियन डॉलर (करीब 358 करोड़ रुपए) था, जिसके 2030 तक 149.4 मिलियन डॉलर (करीब 1200 करोड़ रुपए) तक पहुंचने की उम्मीद है।

पहलगाम, बांग्लादेश और मुर्शिदाबाद की घटनाएं मुस्लिम शरीयत के खिलाफ: इंद्रेश

मेवाड़ कॉलेज में अखिल भारतीय अभ्यास वर्ग के दूसरे दिन हुआ सार्थक संवाद

गाजियाबाद ■ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि आतंकवाद मानवता का शत्रु है और हमें एकजुट होकर इसका सामना करना चाहिए। पहलगाम, बांग्लादेश और मुर्शिदाबाद में जो घटनाएं हुई हैं वें इस्लाम की शरीयत में नहीं आते। यह कलंकित और अमानवीय कुकृत्य है। रसूल के पैगाम का उल्लंघन है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक डॉ. इंद्रेश कुमार रविवार को वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के ऑडिटोरियम में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भारतीय सद्भावना मंच की ओर से अखिल भारतीय अभ्यास वर्ग

में सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित पर सार्थक संवाद आयोजित किया गया था। डॉ इंद्रेश ने पहलगाम हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि पहलगाम, बांग्लादेश और मुर्शिदाबाद में जो घटनाएं हुई हैं वें इस्लाम की शरीयत में नहीं आती हैं। यह कलंकित और अमानवीय कुकृत्य है। यह घटनाएं रसूल के पैगाम का उल्लंघन करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले आठ सालों में तीन बड़े काम किये। सरकार ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाई, वक़्फ़ कानून में संशोधन हुआ और तीन तलाक खत्म किया। अब ये तीनों मानवतावादी कानून बनाये गए हैं, लेकिन विपक्षी झूठ बोलकर अवाम को भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा कि वज़न वाली चीजें साथ नहीं जातीं। केवल सत्कर्म ही हमारे साथ जाता है।

भारत व नेपाल के सीमावर्ती जिलों के अधिकारियों ने की बैठक, सीमा पर चौकसी बरतने व अपराधियों पर अंकुश सहित कई विषयों पर हुई चर्चा

भारत-नेपाल के अधिकारियों ने सीमा को सुरक्षित व अपराधमुक्त बनाने का लिया संकल्प

लखीमपुर खीरी ■ एजेंसी

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच पड़ोसी देश नेपाल ने बेहतर रिश्तों और सीमा सुरक्षा को लेकर एक पहल शुरू की है। नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र के अधिकारियों ने भारतीय क्षेत्र के अधिकारियों के बैठक में सीमा पर चौकसी बरतने, अपराधियों पर लगाम लगाने सहित कई विषयों पर चर्चा की।

रविवार को भारत और नेपाल के बीच आपसी विश्वास और सीमा सुरक्षा को और प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से पलिया में स्थित 39 बटालियन एसएसबी गदनिया में एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक हुई। इस बैठक में दोनों देशों के अधिकारियों ने सुरक्षित और अपराधमुक्त सीमाएं बनाए रखने का साझा संकल्प लिया। बैठक में भारत की ओर से लखीमपुर खीरी जिले के डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा, वन विभाग तथा एसएसबी के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं नेपाल की ओर से कैलाली और कंचनपुर अंचल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच केवल भौगोलिक सीमाएं नहीं हैं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक रिश्तों की एक गहरी और मजबूत नींव भी है। दोनों देश ऐसे मित्र राष्ट्र हैं, जिनके बीच सीमाएं तो हैं, लेकिन दिलों की दूरियां कभी नहीं रहीं। हमारी साझा सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विरासत हमें जोड़ती है। आज हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को सुरक्षित रखते हुए अपनी सीमाओं को भी पूरी तरह सुरक्षित और अपराधमुक्त बनाएं। एसपी संकल्प शर्मा ने कहा कि सीमा सुरक्षा तभी संभव है जब दोनों देशों की एजेंसियां एक-दूसरे के साथ निरंतर संवाद करें, सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान हो और संयुक्त कार्रवाई की प्रभावी प्रणाली विकसित की जाए। हमें तस्करी, मानव तस्करी, अवैध शिकार और अन्य अपराधों पर मिलकर सख्त नियंत्रण करना होगा।

मुंबई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने रविवार को कहा कि देश में स्वास्थ्य उपचार बुनियादी ढांचे के निर्माण पर बड़े पैमाने पर ध्यान दिया जा रहा है, विशेष रूप से इस वर्ष कैंसर के उपचार पर। उन्होंने बताया कि शीघ्र निदान और उपचार के कारण 90 फीसदी कैंसर मरीजों को 30 दिनों के भीतर उपचार शुरू हो गया है, जिसे वैश्विक स्तर पर सराहा गया है। संभाजीनगर जिले के सरकारी कैंसर अस्पताल में रविवार को कैंसर के इलाज के लिए टू बीम यूनिट नामक अत्याधुनिक रेडिएशन थेरेपी प्रणाली का उद्घाटन किया गया। इसी कार्यक्रम को केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा संबोधित कर रहे थे। उन्होंने खुशी व्यक्त की कि 2019 में जिस स्थान पर उन्होंने भूमि पूजन किया था, आज वहां एक भव्य और आधुनिक अस्पताल खड़ा हो गया है। केंद्र सरकार की स्वास्थ्य नीति में शीघ्र निदान, उपचार और रोकथाम पर जोर दिया गया है। इस दिशा में 200 डे केयर सेंटर इस वर्ष स्थापित किए जाएंगे।

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में टैगोर भवन के नव-निर्मित स्वागत कक्ष का लोकार्पण आज, दिनांक 25 अप्रैल 2025 को एम्स भोपाल परिसर में संपन्न हुआ। यह आयोजन प्रो. (डॉ.) अजय सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। नव विकसित स्वागत कक्ष पूर्णत: वातानुकूलित है और आगंतुकों के लिए प्रतीक्षालय की सुविधा प्रदान करता है।

निवाड़ी में अमृत सरोवर में किया भूमि पूजन

जल गंगा संवर्धन अभियान को जन आंदोलन बनाएं - मंत्री कुशवाह

भोपाल ■ अमृत दर्शन

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग व निवाड़ी जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने जिले के प्रवास के दौरान जिला मुख्यालय स्थित रेस्ट हाउस पर आमजन से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना, समस्याओं के शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके बाद कुशवाह पृथ्वीपुर में आयोजित भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर सम्मान गोष्ठी में सम्मिलित हुए।

मंत्री कुशवाह ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम मड़िया में अमृत सरोवर का भूमि पूजन किया। भूमि पूजन कन्या के कर कमलों द्वारा कराया गया। भूमि पूजन उपरांत कुशवाह ने फावड़े, गेंती से अमृत सरोवर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

भूमि पूजन उपरांत मंत्री कुशवाह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों की जानकारी साँझा की। उन्होंने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ 30 मार्च 2025 को ओरछा के कंचना घाट से किया गया। अभियान में सभी विभागों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है।

राज्य शासन द्वारा अमृत सरोवर 2.0 अंतर्गत राज्य स्तर से प्राप्त लक्ष्य 10 के विरुद्ध 10 तालाबों का चयन कर लिया गया है तथा लक्ष्य के अतिरिक्त 6 तालाबों का चिन्हांकन किया जाना है। जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की गई। जिले में चंदेल बुंदेल कालीन जल संरचनाओं के पुनरुद्धार तथा संरक्षण हेतु किए गए कार्यों पर जानकारी साँझा की गई। वर्षा ऋतु में पौधरोपण किए जाने हेतु कार्ययोजना पर चर्चा की गई। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। प्रभारी मंत्री ने गर्मी के चलते नगरीय एवं पंचायतों में नि:शुल्क प्याऊ की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

एम्स भोपाल में पांच दिवसीय राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

भोपाल। एम्स भोपाल ने कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में 21 से 25 अप्रैल 2025 तक नेशनल इमरजेंसी लाइफ सपोर्ट (ह्श्वरुस्) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मध्यप्रदेश में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाना था। पाँच दिवसीय यह ष्ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स फॉर डॉक्टर्सष् कार्यक्रम ट्रॉमा एवं इमरजेंसी मेडिसिन विभाग द्वारा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ), भारत सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य फोकस चिकित्सा विशेषज्ञों की आपातकालीन देखभाल क्षमताओं को सशक्त करना और प्रशिक्षकों की एक दक्ष टीम तैयार करना रहा, जो संकट की घड़ी में जीवनरक्षक तकनीकों को प्रभावी ढंग से लागू कर सके। इस प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से आए 24 चिकित्सकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. मोहम्मद यूनुस, विभागाध्यक्ष ट्रॉमा एवं इमरजेंसी मेडिसिन एवं नोडल अधिकारी रहे।

एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं - एसीएस दुबे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजन को साकार करते हुए प्रदेश में आईटी और संबंधित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पहली सेक्टर आधारित टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग संजय दुबे ने मध्यप्रदेश के उभरते एवीजीसी- एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग,कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी) ईकोसिस्टम विषय पर राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस- 3 को ब्रिलियेंट कन्वेशन सेंटर, इंदौर में संबोधित किया। उन्होंने एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र के उद्योपतियों ने इस क्षेत्र में मध्यप्रदेश की संभावनाओं/ निवेश पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र में मध्यप्रदेश में अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार इस क्षेत्र में निवेश और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। एसीएस दुबे ने बताया कि प्रदेश में इस उद्योग के विकास के लिए अनुकूल माहौल हैं।

ई-केवायसी अनिवार्य, 30 अप्रैल तक जरूर करायें- मंत्री राजपूत

भोपाल। राशन लेने वाले सभी लाभार्थियों के लिए ई-केवायसी अनिवार्य कर दिया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि 9 से 30 अप्रैल तक प्रदेश में ई-केवायसी प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि कोई लाभार्थी 30 अप्रैल तक अपनी ई-केवायसी पूरी नहीं कराते हैं, तो उसे मई महीने से राशन मिलने में असुविधा हो सकती है। मंत्री राजपूत ने कहा कि हितग्राही 30 अप्रैल तक ई-केवायसी जरूर करायें। मंत्री राजपूत ने जानकारी दी कि लाभार्थियों की सुविधा के लिए मेरा ई-केवायसी नामक मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है। इस ऐप के माध्यम से कोई भी लाभार्थी, चाहे वह वृद्ध, दिव्यांग या सामान्य व्यक्ति हो, घर बैठे अपनी और अपने परिजनों की ई-केवायसी कर सकता है। इसके लिए लाभार्थियों को अपने आधार नंबर और ओटीपी की आवश्यकता होगी। मंत्री राजपूत ने सभी राशन लाभार्थियों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपनी और अपने परिवार के सभी सदस्यों की ई-केवायसी पूरी करवा लें। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया समय पर पूरी करना बहुत जरूरी है ताकि मई से राशन वितरण में रुकावट नहीं आए।

इंदौर में 300 दिव्यांगजनों को बैटरीयुक्त ट्राईसिकल सहित अन्य सहायक उपकरण किये वितरित

राज्य सरकार दिव्यांगजनों के आत्म सम्मान की रक्षा के लिये पूरी तरह से है प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिये सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने इंदौर में दिव्यांगजनों के हित में आयोजित एक गरिमामय समारोह में 300 दिव्यांगजनों को कुल 749 बैटरीयुक्त ट्रायसिकल सहित अन्य तरह के सहायक उपकरणों का वितरण किया। जिला प्रशासन की पहल पर आईडीबीआई बैंक के सामाजिक दायित्व कार्यक्रम तथा भारतीय रेडक्रास सोसाइटी के वित्तीय सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। हमारी सरकार उनका आत्मसम्मान बढ़ाने, उन्हें स्वावलंबी बनाने और मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि बैटरीयुक्त ट्राईसिकल और सहायक उपकरणों से दिव्यांगजनों की गतिशीलता बढ़ेगी और वे अधिक स्वतंत्रता के साथ सुविधाजनक रूप से अपने कार्यों को सहजता से कर सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने निजी क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थानों से भी आह्वान किया कि वे दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध कराने में प्राथमिकता दें जिससे कि वे समावेशी विकास का हिस्सा बनें। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के जीवन को आसान और सम्मानजनक बनाने के लिए भविष्य में भी अनेक योजनाएँ लेकर आएगी। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव,विधायक महेन्द्र हार्डिया, रमेश मेंदोला, श्रीमती मालिनी गौड़ तथा मनोज पटेल,सुमित मिश्रा, सावन सोनकर और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

दिव्यांगजनों को मिली यह सहायता

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने इंदौर के 105 से अधिक दिव्यांगजनों को बैटरीयुक्त ट्राईसाइकिले नि:शुल्क प्रदान कीं। उन्होंने जिला प्रशासन, इंदौर द्वारा दिव्यांगजनों की निजी क्षेत्र में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए दिव्यांग रोजगार पोर्टल की भी शुरुआत की। समारोह में 4 दिव्यांगजनों को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित इकाइयों में नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में 300 दिव्यांगजनों को 70 लाख 50 हजार रुपये से अधिक लागत के 105 मोट्रेड ट्राईसिकल, 41 सामान्य ट्राईसिकल, 44 व्हील चेयर, 154 डिजिटल हियरिंग एड (कान की मशीन) तथा 405 दिव्यांगजनों को अन्य सहायक उपकरण वितरित किये गये।

मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजनों का पुष्पवर्षा कर किया अभिनंदन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांगजनों का पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। दिव्यांगजनों को जीवन सुरक्षा हेतु हेलमेट भी दिये गये। समारोह का माहौल अत्यंत भावुक और उत्साहपूर्ण रहा। दिव्यांगजनों के चेहरों पर प्रसन्नता और आत्मविश्वास झलक रहा था। आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और विशेष सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था की गई थी। तेज गर्मी को देखते हुये दिव्यांगजनों के लिये वातानुकूलित व्यवस्था भी की गयी थी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा ट्राईसिकल वितरण के समय कई दिव्यांगजन भावुक हो उठे और पूरे वातावरण में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो गया।

लाभार्थियों का है यह कहना

कार्यक्रम में बैटरीयुक्त ट्राईसिकल प्राप्त करने वाले भागीरथपुरा के श्री लक्ष्मण रावल ने कहा कि के एम.वाय.अस्पताल में सेवा भारती में कार्य करते है। उन्हें अपने घर से कार्य स्थल तक पहुंचने में बहुत परेशानी थी। अब यह बैटरीयुक्त ट्राईसिकल मिल गयी है। इससे बेहद सुविधा होगी। आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होगी। समय भी बचेगा। बिजलपुर निवासी सुरेश काशीमा ने कहा कि मैं फूल माला बनाने का काम करता हूं। मुझे फूल माला बेचने के लिये जगह-जगह जाना पड़ता था। हाथ से चलने वाली ट्राईसिकल थी। परेशानी होती थी, अब आसानी होगी और अपनी फूल माला आसानी से दुकानों पर पहुँचा पाऊंगा। आमदनी बढ़ेगी। इसी तरह पंडिताई करने वाले श्रीधर जोशी ने कहा कि पहले छोटी दूरी तय करने में भी कठिनाई होती थी, अब ट्राईसिकल से स्वतंत्रता का अहसास हो रहा है।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में निखिता गांधी का धमाकेदार लाइव कॉन्सर्ट

भोपाल ■ अमृत दर्शन

कोलार रोड स्थित एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में शनिवार रात मशहूर बॉलीवुड सिंगर निखिता गांधी का लाइव कॉन्सर्ट आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 5000 हजार की संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे और निखिता के सुपरहिट गानों पर जमकर झूमे। कॉन्सर्ट की शुरुआत निखिता गांधी ने अपने लोकप्रिय गाने के बाद माहौल और भी रोमांचक हो गया। छात्रों ने मोबाइल फ्लैशलाइट जलाकर उनका स्वागत किया और पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। निखिता ने एक के बाद एक हिट गानों की प्रस्तुती दी उनके हर गाने पर स्टूडेंट्स ने तालियों और डांस के साथ भरपूर उत्साह दिखाया।

कार्यक्रम का आयोजन यूनिवर्सिटी के कल्चरल फेस्ट के तहत किया गया था। इस मौके पर विश्वविद्यालय के चेयरमैन जय नारायण चौकसे ,प्रो चांसलर डॉक्टर अनुपम चौकसे, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर धर्मेंद्र गुप्ता, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्वेता अनुपम चौकसे और अन्य गणमान्य अतिथि भी मौजूद रहे। उन्होंने निखिता गांधी का धन्यवाद करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के बीच सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

कॉन्सर्ट के अंत में निखिता ने छात्रों से संवाद करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और सभी के प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

मंत्री सारंग ने बिजली नगर कॉलोनी में पार्क सहित विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को नरेला विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 70, बिजली नगर कॉलोनी में पार्क निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। समारोह में मंत्री सारंग ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2008 से पहले नरेला विधानसभा क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। विगत वर्षों में नरेला ने अभूतपूर्व विकास यात्रा तय की है।

आज प्रत्येक घर में नर्मदा जल की उपलब्धता, पक्की सड़कों का जाल, आदर्श ड्रेनेज सिस्टम और उच्च गुणवत्ता के थीम पार्क जैसे अनेक विकास कार्य क्षेत्रवासियों को समर्पित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि विकास का यह सिलसिला आगे भी तेजी से जारी रहेगा। भूमि-पूजन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, वार्डवासी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रहवासियों ने दी आत्मीय शुभकामनाएँ और जताया आभार: मंत्री सारंग का बिजली नगर कॉलोनी स्थित शासकीय विद्यालय के सामने आयोजित समारोह में क्षेत्रवासियों ने भव्य स्वागत किया। विभिन्न स्वागत मंचों से पुष्पवर्षा कर और ढोल-ताशों की गूंज के बीच उनका अभिनंदन किया गया। मंत्री सारंग ने क्षेत्रवासियों के प्रेम एवं समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी प्रेरणा शक्ति है।

संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर किलाबंदी टिकट चेकिंग

229 यात्री पकड़े गए, 1.42 लाख जुर्माना वसूला

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया के निर्देशन में भोपाल मंडल द्वारा अधिकृत यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं रेल राजस्व में वृद्धि सुनिश्चित करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर प्रात: 06:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान वाणिज्य विभाग के पर्यवेक्षक श्री अरुण कुमार श्रीवास्तव एवं 12 टिकट चेकिंग स्टाफ के सहयोग से सफलतापूर्वक संचालित किया गया। अभियान के दौरान स्टेशन परिसर के बाहर निकलने वाले रास्तों की घेराबंदी की गई, जिससे बिना जांच कोई भी यात्री बाहर न निकल सके।

इस दौरान स्टेशन से गुजरने वाली कुल 10 ट्रेनों के यात्रियों के टिकटों की जांच की गई। जांच में 128 यात्री बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े गए, जिनसे 93,160/- की राशि वसूली गई। वहीं 100 यात्री अनुचित टिकट के साथ यात्रा करते पाए गए, जिनसे 48,850/- बतौर किराया एवं जुर्माना वसूला गया। इसके अतिरिक्त बिना बुकिंग के सामान ले जाते हुए तथा गंदगी फैलाते हुए पाए गए 1 यात्री से 200/- का जुर्माना वसूला गया। इस प्रकार इस अभियान के दौरान कुल 229 मामलों से 1,42,210/- का रेल राजस्व प्राप्त हुआ।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि यह अभियान यह सुनिश्चित करने हेतु संचालित किया गया था कि सभी यात्री उचित टिकट के साथ ही यात्रा करें। ऐसे अभियान न केवल रेलवे के राजस्व को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि यात्रियों को एक सुरक्षित, व्यवस्थित एवं स्वच्छ यात्रा का अनुभव भी प्रदान करते हैं। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि यात्रा करने से पूर्व वैध टिकट अवश्य लें। प्रतीक्षा सूची ई-टिकट एवं प्लेटफार्म टिकट पर यात्रा की अनुमति नहीं है।

कटी पतंग के चायनीज मांझे से 4 साल की मासूम हुई घायल

भोपाल। गौतम नगर थाना इलाके में स्थित आरिफ नगर ग्राउंड के पास कटी पतंग के चायनीज मांझे से चार साल की मासूम घायल हो गई। घटना के समय वह अपने मां-पिता के साथ एक्टिवा पर वाहन चला रहे पिता के आगे खड़े होकर जा रही थी। तभी कटी पतंग का मांझा चलती गाड़ी पर उसकी गर्दन से रगड़ खाता हुए निकल गया, जिससे उसके गले में गंभीर चोट आई है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक ए-सेक्टर सोनागिरी पिपलानी में रहने वाले आकिब खान (28) रत्नागिरी में कार का वर्कशॉप चलाते हैं। बीती 25 अप्रैल की शाम करीब 6 बजे वह अपनी पत्नी मरियम और दो बच्चों, चार साल की सफिया और दो साल के अनम के साथ एक्टिवा से सोनागिरी से करोंद होते हुए वीआईपी रोड जा रहे थे।

कार के बोनट पर तलवार से केक काटने वाले पहुंचे सलाखों के पीछे

भोपाल ■ अमृत दर्शन

गांधी नगर थाना पुलिस ने बीते दिनो एयरपोर्ट रोड पर कार के बोनट पर तलवार से केक काटने के वायरल हुए वीडियो के आधार पर कार्यवाही करते हुए दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी जुड़वा भाई हैं, वीडियो के आधार पर की उनकी पहचान ताज कालोनी शाहजहानाबाद में रहने वाले जावेद खॉन के बेटो अरशान खान (19) और अयान खान (19) के रूप में की गई है। हिरासत के दौरान की गई पूछताछ में आरोपी भाईयो ने बताया कि रात 11 बजे केक काटने की खास वजह दोनों के नाम मिलाकर 11 अक्षर बनते हैं। इसलिये वह रात 11 बजे ही उन्होंने खास तौर पर केक काटा था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तलवार बरामद की है। इनमें एक प्लास्टिक की नकली तलवार है। पुलिस के मुताबिक बीती 22-23 अप्रैल को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एयरपोर्ट रोड पर कारे खडी कर 6-7 लडके तलवार से केक काटकर आतिशबाजी करते दिख रहे थे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने संज्ञान लेते हुए जांच की गई। जांच में पता चला की 20 अप्रैल की रात करीब 12.15 बजे एयरपोर्ट ब्रिज पर कारों से आये हुए लडकों ने अपनी कारों को रोड पर खडी कर एक कार की बोनट पर 11 केक रखकर तलवार से केक काटे कारों पर आतिशबाजियां की गई थी।

भारतीय योग संस्थान द्वारा हड्डी रोग पर निशुल्क योग शिविर आयोजित

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भारतीय योग संस्थान, भोपाल के तत्वावधान में एमपीबी ग्राउंड, मिनाल में हड्डी रोग विषय पर आधारित एक भव्य निशुल्क योग शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भारतीय योग संस्थान के राष्ट्रीय प्रधान आदरणीय श्री देशराज जी (नई दिल्ली) मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उनके मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को हड्डी रोग से बचाव और स्वास्थ्य लाभ के लिए विशेष योगाभ्यास कराए गए तथा %जियो और जीवन दो% का प्रेरणादायक संदेश दिया गया।

शिविर में संस्थान के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष माननीय श्री सुरेश विज विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और भोपाल सहित विभिन्न केंद्रों से आए 500 से अधिक साधकों और पदाधिकारियों ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय योग संस्थान जिला भोपाल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की सफलता में मिनाल केंद्र के श्री गया प्रसाद पटेल, श्री एस.के. मालवीय, श्री राजीव मिश्रा, श्रीमती गायत्री शर्मा, श्री कैलाश पाठक, श्री आर.डी. दिलारे, श्री एन.आर. भूते, श्री भैयालाल मीणा, श्रीमती रजनी श्रीवास्तव, श्रीमती पूनम सिंह, श्री आलोक सिन्हा, श्री निलेश यादव एवं डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मंच पर राष्ट्रीय प्रधान श्री देशराज जी के साथ प्रांतीय प्रधान श्री लक्ष्मण सिंह परिहार, उप प्रांतीय प्रधान श्री मोहन लाल गुप्ता, श्री बालकिशन अग्रवाल एवं श्री महेश चंद्र अग्रवाल भी उपस्थित रहे। शिविर की शुरुआत में साधकों को हड्डी रोग निवारण हेतु विशेष आसनों का अभ्यास कराया गया।

शिविर का सफल संचालन क्षेत्रीय प्रधान श्री सुरेश मालवीय ने किया तथा स्वागत भाषण भोपाल जिला मंत्री श्री गया प्रसाद पटेल ने दिया। योग विषयक संवाद %योग रत्न% श्री देशराज जी ने लिया, जिसमें उन्होंने उपस्थित साधकों की स्वास्थ्य संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान योग के माध्यम से प्रस्तुत किया। मंच पर निर्देशित योगासन प्रदर्शन श्री राजीव मिश्रा एवं श्रीमती पूनम सिंह द्वारा किया गया।

अंत में, सभी उपस्थितजनों का आभार प्रदर्शन भोपाल जिला प्रधान श्री जी.पी. दुबे ने किया। इस अवसर पर श्री के.एल. गुप्ता द्वारा भारतीय योग संस्थान के योग साहित्य और सामग्री का विशेष स्टॉल भी लगाया गया, जिसे प्रतिभागियों ने सराहा।

अनमोल वचन

अच्छा निर्णय अनुभव से प्राप्त होता है लेकिन दुर्भाग्यवश अनुभव का जन्म गलत निर्णयों से होता है।
रीटा माए ब्राउन

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते हैं।
अज्ञात

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट के जजों की टिप्पणियाँ विवादों में

सुप्रीम कोर्ट के दो सदस्यों की खंडपीठ ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कोर्ट में एक एसी टिप्पणी की, जिसकी चर्चा देशभर में हो रही है। राहुल गांधी द्वारा की गई विनायक दामोदर राव सावरकर पर की गई टिप्पणी को सुप्रीम कोर्ट ने गैर जिम्मेदाराना बताते हुए सख्त लहजे में कहा, यदि दोबारा राहुल गांधी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का मजाक बनाया गया, विनायक दामोदर सावरकर के खिलाफ यदि कोई बयान दिया गया, तो हम स्वयं संज्ञान लेकर राहुल गांधी पर कार्रवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी एक ऐसे मामले में आई, जिसमें राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जिसमें हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से जारी समन को रद्द करने से इनकार किया था। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था, राहुल गांधी सेशन कोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर कर सकते हैं। इस मामले की अपील राहुल गांधी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश की। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई की। राहुल गांधी के खिलाफ जो आपराधिक कार्रवाई चल रही थी, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच में सुनवाई के लिए लगा था। 17 नवंबर 2022 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान महाराष्ट्र के अकोला में दामोदर राव सावरकर के खिलाफ राहुल गांधी ने टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद देश भर में राहुल गांधी के खिलाफ कई स्थानों पर मुकदमे दर्ज किए गए। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा, स्वतंत्रता सेनानियों के साथ ऐसा व्यवहार ठीक नहीं है। कानून के आधार पर राहुल गांधी को राहत दी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने जब अपना फैसला लिखा, उसमें जो टिप्पणी की गई थी। उसका कोई उल्लेख नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से सावरकर की विचारधारा को लेकर सरकार उन्हें स्वतंत्रता संग्राम का महानायक बनाने का प्रयास कर रही है। पिछले कुछ दशकों में इंग्लैंड से बहुत सारे ऐसे दस्तावेज जो ब्रिटिश सरकार के पास थे, वे एक लंबे समय के बाद भारत सरकार के पास समय-समय पर वापस लौटे हैं। इन दस्तावेजों में वीर सावरकर जब जेल में बंद थे उस समय लिखे पत्र भी सार्वजनिक हुए। यह पत्र कब भारत सरकार को मिले हैं इसकी जानकारी तो नहीं है। दामोदर राव सावरकर शुरुआती दौर में अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में उतरे थे। जब उन्हें जेल हुई, उसके बाद उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन से अलग होते हुए, अंग्रेज सरकार से माफी मांगी। अपने आप को अंग्रेज सरकार का मुलाजिम बताते हुए सरकार को भरोसा दिलाया था, सरकार जो कहेगी वह करेंगे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दामोदर राव सावरकर ने अंग्रेजों की सेना में युवाओं की भरती के लिए अभियान चलाया था। ब्रिटिश सरकार द्वारा जो दस्तावेज सार्वजनिक किए गए हैं, उसके अनुसार दामोदर राव सावरकर को अंग्रेज सरकार से पेंशन भी मिलती थी। इस बात की जानकारी दस्तावेजों के माध्यम से बहुत बाद में प्राप्त हुई है। दामोदर राव सावरकर ने छद्म नाम से एक पुस्तक लिखी। जिसमें उन्हें वीर सावरकर के रूप में प्रस्तुत किया गया। 2014 में जब से केंद्र में भाजपा की सरकार आई है। उसके बाद से वीर सावरकर को महिमा मंडित करते हुए, स्वतंत्रता संग्राम का महान आंदोलनकारी और विचारक बताने की एक नई कोशिश शुरू की गई है। नाथूराम गोडसे जिन्होंने महात्मा गांधी की हत्या की थी, उन्हें भी महानायक बनाया जा रहा है। जगह-जगह उनके मंदिर बनने लगे। इसके साथ ही महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जैसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में उनकी आलोचना करते हुए, गलत तथ्यों के आधार पर, देश में एक नई राजनीति शुरू हुई है। राहुल गांधी जिस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट गए थे। सुप्रीम कोर्ट मे जो याचिका उन्होंने लगाई थी। उस पर विचार करके कोर्ट को निर्णय देना था। पिछले कुछ वर्षों में महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी, जवाहरलाल नेहरू एवं अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में गलत तथ्यों के साथ आलोचना एक पक्ष द्वारा प्रचारित की जा रही है। इसी पक्ष द्वारा वीर सावरकर और नाथूराम गोडसे को लेकर जो बातें प्रचारित की जा रही हैं, वह सत्य से परे हैं। इस पर राजनीतिक संग्राम तो होना ही था। वह हो भी रहा है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में पिछले कुछ वर्षों से मामलों की सुनवाई के दौरान तरह-तरह की टिप्पणियां जजों द्वारा की जाती हैं। जब उन्हीं मामले में आदेश आते हैं। उनमें न्यायालय में जो टिप्पणियां जजों द्वारा की गई थी वह आदेश में देखने को नहीं मिलती हैं। न्यायालय में जजों द्वारा जो मौखिक टिप्पणियां की जाती हैं, उन्हें लेकर सरकार और एक राजनीतिक संगठन उसका इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए करने लगता है। जिसके कारण अब हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज भी राजनीतिक विवाद का विषय बनने लगे हैं। पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई, कोलकाता के एक जज महोदय वहां की राज्य सरकार के खिलाफ सुनवाई के दौरान तरह-तरह की टिप्पणी करते रहे। जिसके कारण पश्चिम बंगाल की राज्य सरकार को समय-समय पर काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वही जज महोदय इस्तीफा देकर भाजपा में आ गए और सांसद बन गए। कोर्ट की मौखिक टिप्पणियों को आधार बनाकर सरकार उसे निर्णय के रूप में प्रचारित करती है। जन सामान्य के बीच में यह धारणा बनने लगी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज सरकार के खिलाफ जो भी मामले होते हैं उन मामलों में सरकार को विशेष तरजीह देती है। जबकि न्यायालय के लिए सभी पक्ष समान रूप से बराबर हैं। जब निर्णय आते हैं, न्यायालय द्वारा जो टिप्पणियां मौखिक रूप से की गई हैं। जब उनके अनुकूल फैसला देखने को नहीं मिलता हैं, तो लोगों का न्यायपालिका पर विश्वास कम होने लगता है। कोर्ट द्वारा जो भी टिप्पणी की जाती है यदि वह सभी के ऊपर समान रूप से लागू की जाती हैं तो इससे आमजनों का न्यायपालिका के ऊपर विश्वास बढ़ेगा। यदि वही टिप्पणियां केवल एक वर्ग विशेष के बारे में की जाती हैं। आदेश में उन्हें स्थान नहीं मिलता है।

चिंतन-मनन

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

हिमाचल की सड़कों पर मौत का तांडव कब थमेगा?

हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक प्रतिदिन भीषण व दर्दनाक सड़क हादसे होते जा रहे है। एक बार फिर लाशों क़े ढेर लग गए लाशों क़ो ढ़ापने के लिए कफ़न कम पड़ गए द्य 25 अप्रैल 2025 को पंडोह में एक कार के खाई में गिर जाने से एक ही परिवार के पांच लोग मौत की नींद सो गए यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ है एक साथ पांच चितायें जलने से हर आँखों से आंसू बह रहे थे।

नरेन्द्र भारती

हिमाचल में सड़क हादसों की लकीर नियति ने बहुत गहरी लिख दी है ।सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे है ।2025के चार महिनों में हजारो लोग मौत के मुह में समा चुके है। हादसों को देखकर हालात ऐसे बन गए है कि अल सुबह घर से निकले लोग शाम को घर पहुंचेगे इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। सड़क हादसों हर रोज घरों के चिराग बूझ रहे है ।बच्चे अनाथ हो रहे है। मातओं व बहनों के सिदूंर मिट रहे है। यह सिलसिला अनवरत जारी है। हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक प्रतिदिन भीषण व दर्दनाक सड़क हादसे होते जा रहे है। एक बार फिर लाशों क़े ढेर लग गए लाशों क़ो ढ़ापने के लिए कफ़न कम पड़ गए द्य 25 अप्रैल 2025 को पंडोह में एक कार के खाई में गिर जाने से एक ही परिवार के पांच लोग मौत की नींद सो गए यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ है एक साथ पांच चितायें जलने से हर आँखों से आंसू बह रहे थे शादी का माहौल मातम में बदल गया यह बारात से लौट रहे थे द्य बीते साल 2024में भी बहुत दर्दनाक हादसे हुए थे यह हादसे बदस्तूर जारी हैं द्यआकडों के अनुसार 4 दिसंबर 2023 का काला दिन काल बनकर 11 लोगों क़ो लील गया था द्य तीन सड़क हादसों में कई घरों क़े चिराग़ बुझ गए थे द्य पहला हादसा शिमला जिला क़े सुन्नी में हुआ था जहाँ एक पिकअप गहरी खाई में गिर गई और छः लोगों की मौत हो गई थी मरने वालों में जम्मू कश्मीर क़े चार लोगों की मौत हो गई थी यह चारों एक ही गाँव क़े रहने वाले थे तथा एक हफ्ता पहले ही काम पर सुन्नी आये थे द्य दूसरा हादसा ददाहू संगड़ाह मार्ग पर एक टिपर खाई में गिर गया था और दो लोगों की मौत हो गई थी और दो लोग घायल हो गए थे द्य तीसरा हादसा मंडी जिले क़े गोहर क़े केलोधार में शादी समारोह में भाग लेकर जंजेहली लौट रहे तीन लोगों की कार खाई में गिर गई और तीनों की मौत हो गई थी और दो घायल हो गए थे इस हादसे में पति पत्नी की मौत हो गई द्य एक दिन में ग्यारह लोगों की मौत से लोग सदमे में है द्य 2 नवबंर 2023 क़ो करवा चौथ के दिन मंडी व बिलासपुर में दो सड़क हादसों में तीन महिलाओ समेत छह की मौत हो गई थी और आठ लोग घायल हो गए थे यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ था जो असमय ही इतनी जिंदगीयाँ लील गया था द्य करवा चौथ के दिन हुआ यह हादसा कभी नहीं भूलेगा द्य चारों तरफ चीखो पुकार मच गई थी पल भर में लोग

चिथड़ों में बदल गए थे द्यभीषण सडक हादसे कब रुकेंगे यह एक यक्ष प्रश्न बन गया है द्य दर्दनाक हादसे में किसी ने अपना पति तो किसी ने अपनी पत्नी खोई है द्य कोटली व घुमारवीं में हुए इन हादसों से लोग मातम में हैं द्यवर्ष 2018 में शिमला से 130 किलोमीटर दूर मुगंरा में एक वाहन के खाई में गिरने से 13 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी ।हादसें में मरने वालों में पांच लोग एक ही परिवार के थे मरनेवालों में ज्यादातर चिड़गांव के गावों के थे । मरने वालों में चार महिलाएं आठ पुरुष व एक बच्ची थी । मृतक आपस में करीबी रिश्तेदारथे ।मौत के इस दर्दनाक मंजर में हुई इन अकाल मौतों से हर हिमाचली गमगीन हुआ था ।यह लोग हाटकोटी से उतराखंड में मदिर दर्शन को जा रहे थे ।मगर मंदिर पहुचने से पहले ही काल के गाल मे समा गए। हर रोज सड़के खून से लाल हो रही है लाशो के ढेर लग रहे है ।लापरवाही से घरों के चिराग असमय बुझते जा रहे हैं। परिवार के परिवार खत्म हो रहे है ।लाशो के अग्नि देने वाले भी नहीं बच रहे है ।हजारो लोग तामउम्र हादसों का दंश झेल रहे है ।पल भर में जीता-जागता आदमी लाशों के चिथड़ों में तब्दील हो रहा है ।बच्चे अनाथ हो रहे है ।प्रदेश में प्रतिदिन हो रहे इस मौत के ताडव को रोकने के लिए कारगर कदम उठाने होगें। इन सड़क हादसों से हर हिमाचली उद्वेलित है। गत वर्ष शिमला के रामपुर के खनेरी में पास बस के खाई में गिर जाने से 28 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। कांगडा के देहरा के ढलियारा में श्रध्दालूओं की एक बस खाई में गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई र्थी और 45 के लगभग बुरी तरह से घायल हो गए थे ।बस 200 मीटर गहरी खाई में गिरी थी ।प्रदेश में हर रोज हादसों का सिलसिला जारी है ।प्रतिदिन भीषण हादसे होते जा रहे है ।प्रदेश में एक दिन में 13 लोगों की मौतें बहुत ही दुखद है। प्रदेश में ऐसा कोई दिन नहीं होता जब किसी की सड़क हादसे में मौत न हुई हो हादसों का यह क्रम लगातार जारी है ।सबक न सीखना लोागों की आदत बन गया है इतने हादसे हो रहे है मगर सुधार शून्य ही है ।इस पर मंथन करना होगा। जनवरी 2023से लेकर अक्टूबर 2025 के चार महिनों में हजारों हादसे हो चुके है और हजारों लोग मारे जा चुके है और यह सिलसिला थमनें का नाम नहीं ले रहा है। इससे पहले कई भीषण हादसे हो चुके है ।कुछ साल पहले भीषण हादसा मंडी के झिड़ी में हुआ था जब एक निजि बस चालक की लापरवाही के कारण 40 से अधिक लोगों की असमय मौत हो गई थी। व्यास नदी में गिरी इस बस में लगभग 70 सवारियां सवार थी। चालक कथित तौर पर मोबाईल फोन पर बात कर रहा था कि बस अनियंत्रित हो गई और नदी में समा गई। पल भर में ही यात्री लाशों में तब्दील हो गये। गनीमत रही कि राफटिंग दल ने जान जोखिम में डालकर 17 लोगों की जिदंगियां बचा ली नही तो मरने वालों का आंकडा 60 हो जाता यह हादसा नहीं सरासर हत्या थी कि चालक ने खुद छलांग लगाकर यात्रियों को असमय मौत के मुहं में धकेल दिया। बीते हादसों से न तो यात्रियों ने सबक सीखे और न ही प्रशासन ने कोई सबक सीखा ।अक्सर देखा गया है कि ज्यादातर हादसे ओवरलोडिगं के कारण होते है क्योकि इस 42 यात्रियों कि क्षमता वाली बस में 70 यात्री सफर कर रहे थे। कांगडा के आशापुरी में तथा बिलासपुर के बंदला में भी ऐसे भीषण हादसे हो चुके हैं। अप्रैल माह में चंबा में भी 12 यवकों की मौत हो गई थी। हमीरपुर में भी मजदूर दिवस के दिन एक टाटा सूमों के खाई में गिरने से 10 मजदूरों की मृत्यु हो गई थी ।बीते 2024 में इतने बड़े-बड़े हादसे हुए मगर इसमें सुधार नहीं हुआ ।आखिर कब थमेगा यह मौत का मंजर इसका जबाव प्रशासन को देना होगा। प्रतिवर्ष हजारों लोग हादसों का शिकार होते है तथा इतने ही घायल होते है लोग असमय काल के गाल में समाते जा रहे हैं मगर हालात सुधरने के बजाए बिगड़ते ही जा रहे है लोग बीते हादसों को कैसे भूल जातें है हिमाचल में हर रोज लापरवाही के कारण लोगों को मौत नसीब हो रही है अगर लोग जरा सी सावधनी बरते तो हादसों को रोका जा सकता है और अनमोल जीवन को बचाया जा सकता है ।बीते हादसों पर नजर डाली जाए तो रौगटे खडे हो जाते है। सड़को पर मौत रेंग रही है और सड़के रक्तरंजित हो रही हैं। अमूमन देखा गया है कि निजि बसों के कारण ज्यादातर दुर्घटनाएं हो रही है।

राजनीति की रंगमंचीय दुश्मनी और जनता की असली बेवकूफी

क्या हमने कभी सोचा कि ये नेता तो एक-दूसरे से हाथ मिलाते हैं, कार्यक्रमों में एक-दूसरे की तारीफ़ भी कर देते हैं, मगर हम, जो पड़ोसी हैं, रिश्तेदार हैं, हम इनके बयान सुनकर दुश्मन क्यों बन जाते हैं? राजनीति को अगर चुनाव तक ही सीमित रखा जाए, तो समाज की शांति बनी रह सकती है। लेकिन जब हम वोट की राजनीति को अपने दिल-दिमाग पर हावी कर लेते हैं, तब नफरत पनपती है। नेताओं का तो अगला चुनाव आ जाएगा, अगला मंच सज जाएगा, लेकिन आम लोगों के दिलों में जो दरार पड़ती है।

डॉ सत्यवान सौरभ

नेताओं की मोहब्बत और जनता की नादानी कभी किरण चौधरी और शशि थरूर मंचों पर एक-दूसरे के खिलाफ़ खड़े होते हैं, कभी हिंदू-मुस्लिम के नाम पर पार्टियों की नीतियाँ बँटती हैं, और इसी बीच पिसती है आम जनता। क्या हमने कभी सोचा कि ये नेता तो एक-दूसरे से हाथ मिलाते हैं, कार्यक्रमों में एक-दूसरे की तारीफ़ भी कर देते हैं, मगर हम, जो पड़ोसी हैं, रिश्तेदार हैं, हम इनके बयान सुनकर दुश्मन क्यों बन जाते हैं? राजनीति को अगर चुनाव तक ही सीमित रखा जाए, तो समाज की शांति बनी रह सकती है। लेकिन जब हम वोट की राजनीति को अपने दिल-दिमाग पर हावी कर लेते हैं, तब नफरत पनपती है। नेताओं का तो अगला चुनाव आ जाएगा, अगला मंच सज जाएगा, लेकिन आम लोगों के दिलों में जो दरार पड़ती है, वो सालों नहीं भरती। अब वक्त है समझने का-राजनीतिक लड़ाइयों को व्यक्तिगत रिश्तों में घुसने मत दो। जो नेता आज एक-दूसरे को गद्दार कहते हैं, वो कल संसद में साथ बैठकर कानून बनाएंगे, और हम? हम अब भी सोशल मीडिया पर बहस कर रहे होंगे। राजनीति का मंच कभी सीधा नहीं होता। सामने जो दिखता है, वह अक्सर पर्दे के पीछे छिपी सच्चाई का केवल एक दृश्य होता है। एक दृश्य, जिसमें मंच पर नेता जनता के लिए लड़ते, मरते, झगड़ते दिखाई देते हैं, और उसी दृश्य के अंत में वे परदे के पीछे गले मिलकर चाय की चुस्कियों में ठहाके लगाते हैं। कभी आप ने सोचा है? कि जो लोग टीवी डिबेट्स में एक-दूसरे को 'देशद्रोही' और 'गद्दार' कहते हैं, वे ब्रेक के बाद साथ कॉफी पीते हैं? या जो नेता एक-दूसरे की पार्टियों को 'जनता के दुश्मन' बताते हैं, वे संसद सत्र खत्म होते ही एक-दूसरे के घर डिनर पर भी जाते हैं? तो फिर असली बेवकूफ़ कौन है? वो नेता जो दिखावे की लड़ाई लड़ता है, या हम, जो उस लड़ाई को दिल पर लेकर अपनों से बैर पाल लेते हैं?

दुश्मनी का अभिनय, यारी की सच्चाई: राजनीति में दुश्मनी एक कला है, और यारी एक ज़रूरत। टीवी पर तीखे तेवर और ट्विटर पर जहरीले तीरों के बाद भी एक सच्चाई बनी रहती है-इन सबका असली उद्देश्य जनता को भावनात्मक रूप से ठगना है। चुनावों में वोट मिलते हैं भावना से, न कि तर्क से। और जब जनता धर्म, जाति, मज़हब, और देशभक्ति के नाम पर जोश में आती है, तभी नेताओं की गोटियाँ सेट होती हैं। किरण चौधरी और शशि थरूर हों या मोदी और ममता, केजरीवाल और राहुल-ये सब अपने-अपने हिस्से की जनता को भावनाओं में उलझाकर निजी ज़िन्दगियों में आराम से जीते हैं।

जनता: नेता के लिए साधन, खुद के लिए शत्रु: हमें ये सोचकर शर्म नहीं आती कि एक नेता के लिए हम अपने पड़ोसी से झगड़ा कर लेते हैं। वोट डालने से पहले हम दोस्ती तोड़ लेते हैं, व्हाट्सएप पर एक-दूसरे को ब्लॉक कर देते हैं, परिवारों में फूट पड़ जाती है, शादियों में मनमुटाव हो जाते हैं। क्यों? क्योंकि हमें लगता है कि हमारा नेता देश को बचा रहा है, और तुम्हारा नेता देश बेच रहा है। इस पागलपन की सीमा तब टूटती है जब आप यह देखते हैं कि जिन नेताओं को आप कट्टर दुश्मन मानते थे, वे एक-दूसरे के बेटे-बेटियों की शादी में साथ फोटो खिंचवा रहे होते हैं।

इतिहास गवाह है- यारी की राजनीति कोई नई बात नहीं आज का ही नहीं, भारत के राजनीतिक इतिहास में भी ऐसे हजारों उदाहरण मिलते हैं जहाँ विरोधी विचारधाराओं वाले नेता संसद से बाहर एक-दूसरे के घनिष्ठ मित्र रहे हैं। पंडित नेहरू और श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक-दूसरे के कट्टर आलोचक थे, लेकिन व्यक्तिगत सम्मान की लकीर कभी नहीं लांघी। अटल बिहारी वाजपेयी और सोनिया गांधी संसद में एक-दूसरे पर तीखी टिप्पणियाँ करते थे, परंतु व्यक्तिगत स्तर पर सौहार्द बना रहता था। आज यह मर्यादा खत्म हो चुकी है, पर नेताओं के संबंध अब भी मधुर हैं-बस जनता को भ्रम में रखकर।

धर्म और जाति का खेल- राजनीति का सबसे सस्ता हथियार: हमारे देश की राजनीति धर्म और जाति के ट्रिगर पर चलती है। हिन्दू-मुस्लिम, दलित-ठाकुर, ब्राह्मण-पिछड़ा-हर चुनाव में एक नया विभाजन उछाल दिया जाता है। और हम? हम झपटते हैं इस जाल पर। जैसे ही कोई नेता कहता है हिंदू खतरे में हैं, मुसलमान बढ़ गए हैं, राम का अपमान हुआ है-हम तलवारें निकाल लेते हैं, ट्वीट्स छोड़ने लगते हैं, और बहसों में मर्यादा भूल जाते हैं। जबकि नेता जानते हैं कि ये मुद्दे सिर्फ जनता को उलझाने के लिए हैं, असल खेल कहीं और खेला जा रहा है- प्राइवेट डील्स, सरकारी टेंडर, ट्रांसफर पोस्टिंग, और सत्ता की कुर्सी।

मीडिया: आग में घी डालने वाली फैक्ट्री-जो आग नेता लगाते हैं, उसमें घी डालने का काम करता है मीडिया। न्यूज चैनलों की बहसें स्क्रिप्टेड होती हैं। हर रात एक तय एजेंडा, एक तय दुश्मन, और एक तय राष्ट्रवाद का पैमाना।

हमारी भाषाई विविधता हमारी शक्ति है

किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत हजारों वर्ष पूर्व से अपनी अनमोल विशेषताओं का धनी रहा है। भारत में अनमोल विशाल प्राकृतिक संपदा, अनमोल संस्कृति, साहित्य, ज्ञान, भाषाई विविधता का ख़ज़ाना भरा है। यह देखकर ऐसा महसूस होता है कि सारी सृष्टि में मां सरस्वती ने भारत पर अनमोल कृपा बरसाई है, क्योंकि ऐसा बेजोड़ खजाना शायद ही वैश्विक रूप से किसी देश में होगा ऐसा मेरा मानना है। साथियों बात अगर हम इस अनमोल ख़ज़ाने की करें तो हम सब 135 करोड़ जनसंख्याकिय तंत्र को गंभीरता से रेखांकित कर इसका लाभ उठाना होगा क्योंकि यह हमारी अनमोल धरोहर और शक्ति भी है तथा आत्मनिर्भर भारत बनाने की अनमोल कड़ियों में से यह भी एक है जिसके आधार पर हमें आत्मनिर्भर भारत में अनमोल सहयोग व ताकत प्राप्त होगी। साथियों बात अगर हम हमारी भाषाई विविधता की करें तो हर भारतीय भाषा का गौरवशाली अनमोल इतिहास, समृद्धि, साहित्य भाषा योग्यता है जो हमारी शक्ति है और अनेकता में एकता की भाषा की मिठास से वैश्विक स्तरपर भारतीय साहित्य के साथ-साथ भारत की प्रतिष्ठा भी बड़ी है। साथियों बात अगर हम उपरोक्त भाषाई ख़ज़ाने को रेखांकित करने के महत्व की करें तो भारतीय बौद्धिक क्षमता विश्व प्रसिद्ध है और 135 करोड़ जनसंख्यकीय तंत्र में हर व्यक्ति के पास अपने ढंग की एक विशेष कला है जो उसे उनके भाषाई इतिहास,साहित्य, पूर्वजों से मिली है जिसका उपयोग करने के लिए उनके पास उचित और पर्याप्त प्लेटफार्म नहीं है और अगर है भी तो सभी के लिए नहीं है कुछ ही लोगों के लिए है जिसे हमें रेखांकित कर उनके लिए अपना कौशल दिखाने विश्वविद्यालय स्तरपर ग्रामीण क्षेत्रों में भाषाई विविधता के कड़ियों को जोड़ने एक अभियान चलाना होगा और उस कौशल को बाहर निकालकर हमें तराशना होगा और आत्मनिर्भर भारत में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। साथियों बात अगर हम भाषाई विविधता को एक माला में पिरोने की करें तो इसमें राजभाषा हिंदी को एक सखी के रूप में प्रयोग करना होगा और हमारी भाषाई विविधता को हमारी शक्ति बनाना होगा। साथियों बात अगर हम माननीय पूर्व उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी कहा कि हर भारतीय भाषा का गौरवशाली इतिहास है, समृद्ध साहित्य है, हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे देश में भाषाई विविधता है। हमारी भाषाई विविधता हमारी शक्ति है क्योंकि हमारी भाषाएं हमारी सांस्कृतिक एकता को अभिव्यक्त करती हैं । इस संदर्भ में उन्होंने युवा छात्रों से संप्रदाय, जन्म, क्षेत्र, लैंगिक विभेद, भाषा आदि भेदभावों से ऊपर उठकर देश की एकता को मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक सभ्य समाज से यही अपेक्षित है कि उसकी भाषा सौम्य, सुसंस्कृत और सृजनशील हो। उन्होंने विश्वविद्यालयों से अपेक्षा की कि वे यह संस्कार डालें कि साहित्य लेखन से समाज में सभ्य संवाद समृद्ध हो, ना कि विवाद पैदा हो। हम अपनी अभिव्यक्ति की आज़ादी को भाषा की मर्यादा और समाज के अनुशासन में रह कर प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि विदेशों में फैले प्रवासी भारतीय समुदाय तथा विश्व के अन्य हिंदी भाषी देशों को, मातृभूमि भारत से जोड़े रखने में हमारी भारतीय भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस संदर्भ में उन्होंने विश्वविद्यालयों से आग्रह किया कि वे हिंदी भाषी देशों और प्रवासी भारतीय समुदाय के लेखकों की साहित्यिक कृतियों को अपने बौद्धिक विमर्श में शामिल करें। हमारी भाषाई विविधता को देश की शक्ति बताते हुए, उन्होंने इस विविधता में एकता के सूत्र को मजबूत करने का आग्रह किया और कहाकि इसके लिए ज़रूरीहै कि भाषाओं में आपस में संवाद बढ़े। उन्होंने कहा कि इस कार्य में विश्वविद्यालयों के भाषा विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

खास बात

मोदी और नीतीश की हंसी उनके गले में फंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को बिहार के दौरे पर थे वहां पर उन्होंने हजारों करोड रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया इसी बीच दिल्ली में सर्वदलीय बैठक पहलगाम की घटना को लेकर हो रही थी विभिन्न राज्यों में पर्यटकों के शव पहुंचे थे कुछ की अंत्येष्टि हो रही थी और कुछ की होने वाली थी। प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैठक छोड़कर बिहार गए थे मंच पर मोदी और नीतीश कुमार जिस तरह से हंस रहे थे उसका फोटो वायरल होने के बाद देशभर में चर्चा का विषय बन गया है सारे देश में गुस्से की लहर थी शोक का वातावरण था लेकिन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री हंसी ठिठोली कर रहे हैं। इसकी बिहार के साथ-साथ पूरे देश भर में बड़ी खराब प्रतिक्रिया हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को बिहार के दौरे पर थे। वहां पर उन्होंने हजारों करोड रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। दिल्ली में सर्वदलीय बैठक पहलगाम की घटना को लेकर हो रही थी। जिसमें प्रधानमंत्री उपस्थित नहीं हुए। विभिन्न राज्यों में पर्यटकों के शव पहुंचे थे। कुछ की अंत्येष्टि हो रही थी, कुछ की होने वाली थी। प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैठक छोड़कर बिहार गए थे। मंच पर मोदी और नीतीश कुमार जिस तरह से हंस रहे थे। उसका फोटो वायरल होने के बाद देशभर में फोटो चर्चा का विषय बन गया। सारे देश में गुस्से की लहर थी। शोक का वातावरण था। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री हंसी ठिठोली कर रहे थे। बिहार के साथ-साथ पूरे देश भर में इस हंसी ठिठोली की बड़ी खराब प्रतिक्रिया हुई है।

सुब्रमण्यम स्वामी ने मोदी शाह का इस्तीफा मांगा

कश्मीर घाटी में इतना बड़ा हमला पर्यटकों के ऊपर हुआ है। दो दर्जन से अधिक पर्यटकों की मौत हुई है। इस घटना में राजनीतिक दलों ने प्रधानमंत्री या गृहमंत्री का इस्तीफा नहीं मांगा। इस्तीफा मांगा है, तो भाजपा के पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने मांगा है। जो भाजपा के ही सदस्य हैं। सुब्रमण्यम स्वामी ने इस पूरी घटना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को जिम्मेदार माना है। उनसे इस्तीफा की मांग की है। उन्होंने यह भी कह दिया, पाकिस्तान, चीन और अमेरिका के साथ मोदी का अंडर हेंड समझौता है। जिसके कारण यह आतंकवादी घटनाएं हो रही हैं।

सिंधु जल संधि और पाकिस्तान के पानी को रोकने की धमकी

भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को तोड़ने का निर्णय लिया है। भारत ने यह भी कहा है, भारत-पाकिस्तान को पानी नहीं देगा। इस कार्रवाई को लेकर सरकार के ऊपर निशान साधा जा रहा है। भारत यदि सिंधु नदी का पानी रोकेगा, तो भारत में जल प्लावन की स्थिति बन जाएगी। जो भारत के लिए मुसीबत खड़ा करेगी। भारत सरकार इसके पहले भी दो बार पाकिस्तान का जल रोकने की बात कह चुकी है। लेकिन भारत की यह धमकी हमेशा हवा हवाई होती है। भारत सरकार चाहकर भी पानी को नहीं रोक सकती है। यह बात पाकिस्तान भी जानता है, भारत सरकार भी जानती है। इसे बंदर घुड़की के अलावा और कुछ नहीं माना जाना चाहिए।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि प्रतिपदा, सोमवासरे, भरणी नक्षत्रे, आद्र योगे, कितुघ्न करणे, मेष की चंद्रमा, जातकर्म, नामाकरण, अन्नप्रासन्न, दुरागमन देव प्रतिष्ठा जलखनन मुर्हूत, अन्नप्रासन्न तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक दार्शनिक, सुन्दर, सुशील, कोमल हृदय वाला, धनी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, सोना-चांदी का व्यापारी, उत्तम वृत्ति वाला, धनीमानी-भोगी, योगी होगा।

मेष राशि- हर्ष, यात्रा, राजसुख, सफलता, गृहकलह, हानि तथा मानसिक अशांति अवश्य रहेगी।

वृष राशि- विरोध, व्यय, कष्ट, अशांति तथा भ्रम, शिक्षा-लेखन कार्य में सफलता मिलेगी।

मिथुन राशि- व्यापार में क्षति, यात्रा, विवाद, उद्योग-व्यापार की स्थिति लाभ-हानि की रहेगी।

कर्क राशि- शरीर मध्यम, भूमि व राजभय, लाभ, सफलता का दिन साबित होगा, ध्यान रखें।

सिंह राशि- वाहन, राजभय, कष्ट, यात्रा शुभ होगी, कार्य में व्यय होगा, ध्यान दें।

कन्या राशि- व्यय, प्रवास, विरोध, भूमि का लाभ होगा, शुभ कार्य में व्यवस्था बनेगी।

तुला राशि- रोगभय, मातृसुख, यात्रा, व्यापार में सुधार होगा, रुके कार्य बन जायेंगे।

वृश्चिक राशि- कार्य-सिद्धी, लाभ, विरोध, भूमि-लाभ, राजकार्य में बाधा, व्यवस्था न बनेगी।

धनु राशि- लाभ कार्य में रुचि, यश, हर्ष, यात्रा उत्तम, शिक्षा जगत की स्थिति सामान्य रहेगी।

मकर राशि- विरोधियों से व्यापार में हानि, शरीर-कष्ट, धार्मिक कार्य हो, अच्छे कार्य बनेंगे।

कुंभ राशि- लाभ-हानि की स्थिति, व्यय, प्रभाव-प्रतिष्ठा, रोगभय, विरोधी असफल अवश्य होंगे।

मीन राशि- राजभय, चोट, राज कार्य में विलम्ब से परेशानी होगी, ध्यान दें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

28 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

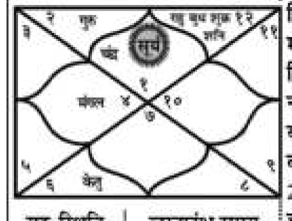

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.29 बजे से
चंद्र	मेष में	मिथुन	08.27 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.40 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.56 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	15.08 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.19 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.34 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.50 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.55 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ	01.41 बजे से
		मीन	03.14 बजे से
		मेष	04.45 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 118 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 21.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 21.38 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान 20.02 बजे को समाप्त।
करण किस्तुघ्न 11.06 बजे तदनन्तर बव 21.11 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 0.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872328
जूलियन दिन 2460793.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 29
विशेष चंददर्शन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कोयल की तरह ही चातक देती है दूसरों के घोंसलों में अंडे

माथे पर किलंगी और काले सफ़ेद पंख चातक पक्षी की खासियत होते हैं। प्राचीन साहित्य में चातक का यह विवरण उसके पारिस्थितिकी व्यवहार से काफी मेल खाते हैं। यह मौसम इसका प्रजनन काल भी है। प्रजनन के इस समय में नर दिनभर तरह तरह की कोकिल ध्वनियों से लगातार मादा को आकर्षित करने की कोशिश करते हैं। इस मौसम की शुरुआत में ये पक्षी उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास करते हैं।

हल्के नीले रंग के होते हैं अंडे

कोयल की तरह चातक पक्षी भी अन्य पक्षियों के घोंसलों में अपने अंडे देती है। जून से अगस्त तक चलने वाले प्रजनन काल की शुरुआत में मादाएं मेज़बान पक्षियों के घोंसलों की तलाश में रहती हैं। इन चातक के अंडे भी गैगई पक्षी के अंडों के समान हल्के, नीले रंग व छोटे आकार के होते है। गैगई, जिन्हें 7-10 के झुंड में घूमने के कारण लोक भाषा में सातभाई या बहन भी कहा जाता है, चातक के बहुत ही चहेते होते हैं। मादा चातक अक्सर अंडे देते वक्त मेजबान के अंडों को क्षतिग्रस्त कर देती हैं। पंखों के विकास होने तक गैगई अपने व चातक के चूजों में भेद नहीं कर पाती और सबका भरण-पोषण समान रूप से करती हैं।

भारत में होती हैं दो प्रजातियां

भारत में चातक की दो विशिष्ट उप प्रजातियां पाई जाती हैं। एक क्लैमेटर जैकोबिनस जैकोबिनस और दूसरी उत्तर भारत से आने वाली उप-प्रजाति क्लैमेटर जैकोबिनस पिका होती है। इनका मुख्य भोजन कीट-पतंगे होते हैं, लेकिन कभी कभी फलों को भी खूब चाव से खाते हैं।

प्यासा मर जाएगा पर इधर-उधर का पानी नहीं पीता चातक

धरती पर मौजूद हर जीव को जिंदा रहने के लिए दाना-पानी तो चाहिए ही. कीड़े-मकोड़ो की बात नहीं कर रहा. कम से कम इंसानों, पशु-पक्षियों वगैरह के लिए तो हवा के बाद दूसरी सबसे जरूरी चीज है पानी. खाने के बगैर तो इंसान कुछ दिन जिंदा रह सकता है लेकिन पानी के बगैर तो प्यार से ही मर जाएगा. पक्षियों के साथ भी ऐसा ही है. लेकिन आज हम एक ऐसे पक्षी के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो प्यास के मारे मर जाएगा, लेकिन इधर-उधर का पानी पीना इसे मंजूर नहीं! आप सोच रहे होंगे, ये भला कैसा पागलपन है... लेकिन इस पक्षी की तो यही कहानी है. गर्मियों में अक्सर हम पशुओं के लिए छतों पर और आंगन में किसी बर्तन में पानी रख देते हैं. तमाम पक्षी आकर वे पानी पी लेंगे, लेकिन चातक पक्षी प्यासा होने के बावजूद ऐसा नहीं करेगा. चातक पक्षी केवल बारिश का ही पानी ही पिया करता है. यह चिड़िया किसी झील, तालाब, नदी वगैरह का पानी नहीं पीती है. भले ही वह प्यासा ही मर क्यों न जाए, लेकिन यह बारिश के अलावा कोई पानी नहीं पीती. चातक पक्षी, केवल बारिश के पानी से ही अपनी प्यास बुझाता है. ऐसा कहा जाता है कि यह पक्षी बहुत प्यासा है और इसे बिल्कुल साफ पानी के झील में भी छोड़ दिया जाए, तो भी यह पानी नहीं पिएगा. इस स्थिति में पानी पीने के लिए ये अपनी चोंच भी नहीं खोलेगा. बारिश के अलावा यह किसी भी दूसरे सोर्स से पानी नहीं पीता है. चातक कीटभक्षी पक्षी होता है. कीट-फतंगों के अलावा इसे फल खाते भी देखा गया है. चातक पक्षी की एक अलग बात ये भी है कि ये दूसरे पक्षियों के घोसले में अपने अंडे दिया करते हैं. ये पक्षी बुलबुल ओर बब्बलर जैसे पक्षियों के घोंसले में अपने अंडे देते हैं. चातक पक्षी मुख्य तौर पर एशिया और अफ्रीका महाद्वीप का पक्षी है. बात करें भारत की तो ये पक्षी उत्तराखंड में पाया जाता है. गढ़वाल में इसे चातक की बजाय चोली बुलाया जाता है. इसे मारवाड़ी/राजस्थानी में मघवा और पपिया भी कहा जाता है.

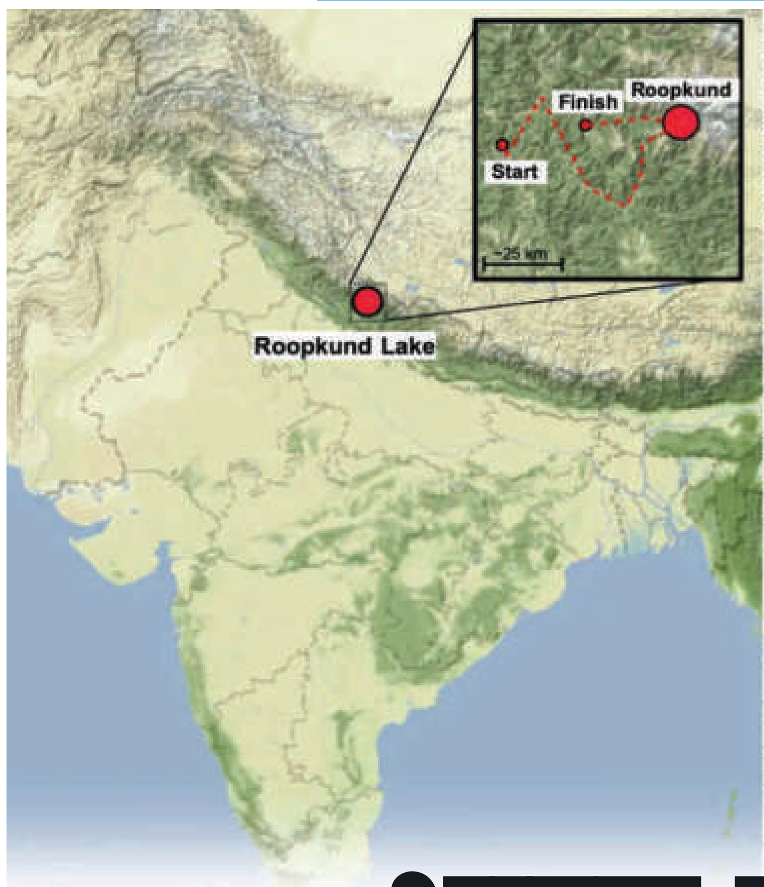

भारत की कंकालों वाली झील का रहस्य

भारत के हिस्से में आने वाले हिमालयी क्षेत्र में बर्फीली चोटियों के बीच स्थित रूपकुंड झील में एक अरसे से इंसानी हड्डियां बिखरी हैं. रूपकुंड झील समुद्रतल से क़रीब 16,500 फीट यानी 5,029 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद है. ये झील हिमालय की तीन चोटियों, जिन्हें त्रिशूल जैसी दिखने के कारण त्रिशूल के नाम से जाना जाता है, के बीच स्थित है.त्रिशूल को भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों में गिना जाता है जो कि उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित हैं.

आधी सदी से अनसुलझी है पहेली रूपकुंड झील को कंकालों की झील कहा जाता है. यहां इंसानी हड्डियां जहां-तहां बर्फ़ में दबी हुई हैं. साल 1942 में एक ब्रिटिश फॉरेस्ट रेंजर ने गश्त के दौरान इस झील की खोज की थी. तकरीबन आधी सदी से मानवविज्ञानी और वैज्ञानिक इन कंकालों का अध्ययन कर रहे हैं. वहीं, बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं और ये झील उनकी जिज्ञासा का कारण बनी हुई है. साल के ज़्यादातर वक़्त तक इस झील का पानी जमा रहता है, लेकिन मौसम के हिसाब से यह झील आकार में घटती - बढ़ती रहती है. जब झील पर जमी बर्फ़ पिघल जाती है तब ये इंसानी कंकाल दिखाई देने लगते हैं. कई बार तो इन हड्डियों के साथ पूरे इंसानी अंग भी होते हैं जैसे कि शरीर को अच्छी तरह से संरक्षित किया गया हो. अब तक यहां 600 से 800 लोगों के कंकाल पाए गए हैं. पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड की सरकार इसे रहस्यमयी झील के तौर पर बताती है.

कंकालों वाली झील

गुज़री आधी सदी से ज्यादा वर्षों से वैज्ञानिकों ने इस झील में पड़े कंकालों का अध्ययन किया है और कई अनसुलझी पहेलियों को सुलझाने की कोशिश की है. उनके सामने कई सवाल थे. मसलन, ये कंकाल किन लोगों के हैं? इन लोगों की मौत कैसे हुई? ये लोग कहां से यहां आए थे? इन मानव कंकालों को लेकर एक पुरानी कहानी यह बताई जाती है कि ये कंकाल एक भारतीय राजा, उनकी पत्नी और उनके सेवकों के हैं. 870 साल पहले ये सभी लोग एक बर्फ़ीले तूफ़ान का शिकार हो गए थे और यहीं दफ़न हो गए थे.

कंकालों को लेकर कई थ्योरी

एक अन्य थ्योरी के मुताबिक़, इनमें से कुछ कंकाल भारतीय सैनिकों के हैं जो कि 1841 में तिब्बत पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहे थे और जिन्हें हराकर भगा दिया गया था. इनमें से 70 से ज़्यादा सैनिकों को हिमालय की पहाड़ियों से होते हुए वापस लौटना पड़ा और रास्ते में उनकी मौत हो गई. एक अन्य कहानी के अनुसार माना जाता है कि यह एक कब्रगाह हो सकती है जहां किसी महामारी के शिकार लोगों को दफ़नाया गया होगा. इस इलाक़े के गांवों में एक प्रचलित लोकगीत गाया जाता है. इसमें बताया जाता है कि कैसे यहां पूजी जाने वाली नंदा देवी ने एक 'लोहे जैसा सख़्त तूफ़ान' खड़ा किया जिसके कारण झील पार करने वालों की मौत हो गई और वे यहीं झील में समा गए.

महिलाओं के कंकाल भी मौजूद

कंकालों को लेकर किए गए शुरुआती अध्ययनों से पता चला है कि यहां मरने वाले अधिकतर लोगों की ऊंचाई सामान्य से अधिक थी. इनमें से ज़्यादातर मध्यम आयुवर्ग के थे जिनकी उम्र 35 से 40 साल के बीच रही होगी. इनमें उम्रदराज़ महिलाओं के भी कंकाल हैं लेकिन बच्चों का कोई भी कंकाल नहीं है. इन सभी का स्वास्थ्य अच्छा रहा होगा. साथ ही आमतौर पर ये माना जाता है कि ये कंकाल एक ही समूह के लोगों के हैं जो कि नौवीं सदी के दौरान किसी अचानक आई किसी आपदा के दौरान मारे गए थे. पांच साल तक चले एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि ये सभी कयास शायद सच नहीं हैं. इस अध्ययन में भारत समेत जर्मनी और अमेरिका के 16 संस्थानों के 28 सह-लेखक शामिल रहे हैं. वैज्ञानिकों ने जेनेटिक रूप से और कार्बन डेटिंग के आधार पर झील में मिले 38 इंसानी अवशेषों का अध्ययन किया. इनमें 15 महिलाओं के अवशेष शामिल हैं. इनमें से कुछ 1,200 साल पहले के हैं. अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि मरे हुए लोग जेनेटिक रूप से अलग-अलग हैं और उनकी मौतों के बीच में 1,000 साल तक का अंतर है. अध्ययन की मुख्य लेखिका ईडेओइन हार्ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पीएचडी की छात्र हैं. वे कहती हैं, इससे वे थ्योरी ख़ारिज हो गईं जिनमें कहा गया था कि किसी एक तूफ़ान या आपदा में ये सभी मौतें हुई हैं. वे कहती हैं, अभी भी यह साफ नहीं है कि रूपकुंड झील में आख़िर क्या हुआ था. लेकिन, हम यह बात ज़रूर कह सकते हैं कि ये सभी मौतें किसी एक घटना में नहीं हुई हैं. इससे भी ज़्यादा दिलचस्प यह है कि जेनेटिक स्टडी से पता चला है कि ये लोग अलग-अलग मूल के थे. मसलन, इसमें एक समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त में दक्षिण एशिया में रहने वाले लोगों जैसे ही हैं, जबकि दूसरे समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त के यूरोप के लोगों से मिलते-जुलते हैं. ख़ासतौर पर ये यूनान के द्वीप क्रीट में रहने वाले लोगों जैसे हैं. हार्न कहती हैं, जेनेटिक्स के आधार पर इनमें से कुछ इस उपमहाद्वीप के उत्तरी हिस्से के लोगों से मिलते-जुलते हैं, जबकि, अन्य दक्षिण हिस्से में बसे समूहों से मिलते-जुलते हैं.

नर कंकालों से भरा है पानी, होती हैं कई रहस्यमयी घटनाएं

सोचिए आप पहाड़ों के बीच किसी सुंदर झील घूमने के लिए गए हैं और अचानक आपको वहां पर कई सारे नर कंकाल दिख जाएं तो क्या करेंगे आप? हिमालय की रूपकुंड झील की कहानी कुछ ऐसी ही है। साल 1942 में यहां पर ब्रिटिश के फॉरेस्ट गार्ड को सैकड़ों नर कंकाल मिले थे। इस दौरान झील पूरी तरह मानवों के कंकाल और हड्डियों से भरी थी। इतने सारे कंकालों और हड्डियों को देख ऐसा आभास होता था कि शायद पहले यहां पर जरूर कुछ न कुछ बहुत बुरा हुआ था। शुरुआत में इसे देख कई लोगों ने यह कयास लगाया कि हो न हो यह सभी नर कंकाल जापानी सैनिकों के होंगे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत में ब्रिटेन पर आक्रमण करने के लिए हिमालय के रास्ते घुसते वक्त मर गए होंगे। उस वक्त जापानी आक्रमण के भय से ब्रिटिश सरकार ने फौरन इन नर कंकालों की जांच के लिए एक वैज्ञानिकों की टीम को बुलाया। जांच के बाद पता चला कि ये कंकाल जापानी सैनिकों के नहीं थे, बल्कि ये नर कंकाल तो और भी ज्यादा पुराने हैं। इसके बाद समय समय पर इन कंकालों का परीक्षण होता रहा। इन परीक्षणों के आधार पर वैज्ञानिकों के मत अलग-अलग सामने निकलकर आए। कई वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्षों पहले यहां पर कई लोगों की मृत्यु हिमस्खलन के चलते हुई तो दूसरे वैज्ञानिकों का कहना है कि इन लोगों की मौत किसी महामारी के कारण हुई। रूपकुंड झील में नर कंकाल क्यों है? और कैसे हैं? इस पर वैज्ञानिकों का मत एकसमान नहीं है।

हालांकि 2004 में हुए एक अध्ययन ने रूपकुंड झील से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए। इस अध्ययन के जरिए यह पता चला कि ये कंकाल 12वीं से 15वीं सदी के बीच के थे। डीएनए जांच के बाद कई नई चीजें सामने निकलकर आईं। यह भी पता चला कि इन कंकालों का संबंध अलग-अलग भौगोलिक जगहों से था। अंत में वैज्ञानिकों ने बताया कि काफी समय पहले इन लोगों की मृत्यु किसी भारी गेंद जैसे आकार की चीजों का सिर पे गिरने से हुई थी।

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि हिमालय पर्वत पर रहने वाली महिलाओं के एक प्रसिद्ध लोकगीत में एक माता का वर्णन आता है। लोकगीत के मुताबिक ये देवी माता बाहर से आए लोगों पर गुस्सा करती थीं, जो यहां आकर पहाड़ की सुंदरता में खलल डालते थे। इसी गुस्से में उन्होंने भारी भरकम ओलों की बारिश करवाई, जिसके कारण कई लोगों की जानें गईं थी। गौरतलब बात है कि 2004 में हुए रिसर्च में यही बात सामने निकल कर आई थी कि अचानक हुई भयंकर ओलावृष्टि से इन लोगों की जानें गई होंगी।

वहीं आज भी इस रूपकुंड झील के कई रहस्य झील के भीतर ही दफन हैं। झील में प्रवेश करने पर सख्त प्रतिबंध है। लोगों का कहना है कि यहां पर अक्सर कई सारी रहस्यमय घटनाएं होती हैं।

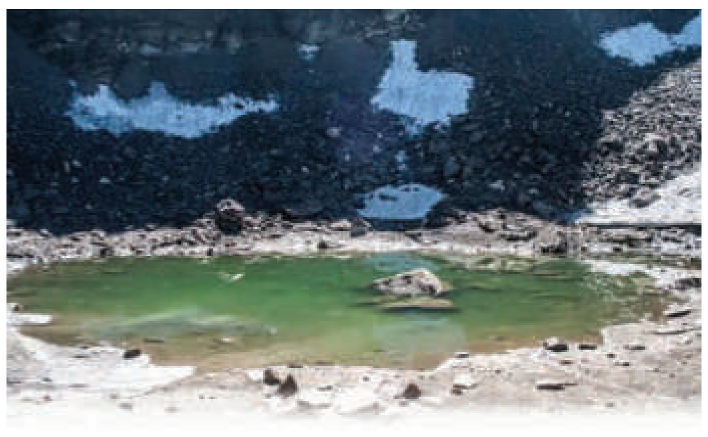

तो, ऐसे में क्या अलग-अलग समूहों के लोग कुछ सौ वर्षों के अंतराल पर छोटे जत्थों में इस झील के दौरे पर गए थे? क्या इनमें से कुछ किसी एक घटना में मारे गए? यह झील किसी ट्रेड रूट पर नहीं पड़ती है, यानी व्यापार के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रास्तों का हिस्सा नहीं थी. इस जगह पर न तो कई हथियार मिले और न ही व्यापार का कोई सामान ही मिला है. जेनेटिक अध्ययनों से इनमें से किसी में प्राचीन बैक्टीरियल जीवाणु का भी पता नहीं चला, जिससे यह माना जा सके कि किसी ख़ास बीमारी की वजह से ये लोग मारे गए थे.

क्या तीर्थयात्रा पर आए थे लोग?

झील के रास्ते में पड़ने वाले एक तीर्थस्थल से शायद इस बात का स्पष्टीकरण मिलता है कि लोग आख़िर इस इलाक़े की यात्रा पर क्यों आए होंगे. अध्ययनों की मानें तो 19वीं सदी के आख़िर तक इस इलाक़े में तीर्थयात्रा के कोई पुख़्ता प्रमाण नहीं मिलते हैं. लेकिन, 8वीं और 10वीं सदी के स्थानीय मंदिरों में मिले शिलालेख इशारा करते हैं कि यहां उस दौर में लोग तीर्थयात्रा पर जाया करते थे. ऐसे में वैज्ञानिकों का मानना है कि इस जगह पर कुछ कंकाल उन लोगों के हो सकते हैं जिनकी मौत किसी तीर्थयात्रा के दौरान हुई होगी. लेकिन, पूर्वी भूमध्यसागरीय इलाक़े के लोग भारत के हिमालय की इन ऊंची पहाड़ियों पर मौजूद झील पर क्या करने गए थे? इस बात की उम्मीद कम जान पड़ती है कि यूरोप के लोग इतना लंबा सफर तय करके एक हिंदू तीर्थ यात्रा में हिस्सा लेने के लिए रूपकुंड पहुंचे होंगे. तो क्या ये हो सकता है कि पूर्वी भूमध्यसागरीय पूर्वजों की जेनेटिक रूप से अलग आबादी पीढ़ियों से इस इलाके में रह रही हो? हार्ने कहती हैं, हम अभी भी इन सब सवालों का जवाब ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं.

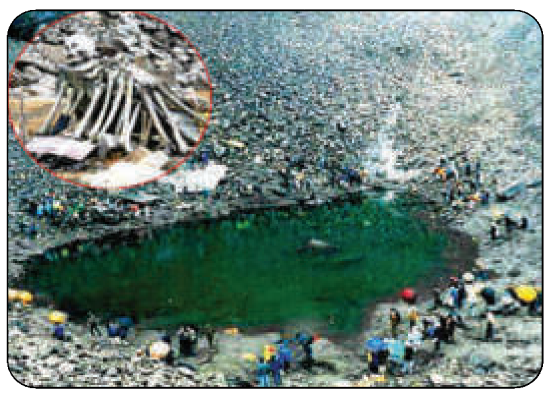

इस रहस्यमयी मंदिर में जाने के नाम से ही थरथर कांपने लगते हैं लोग

पूजा-पाठ और भूत प्रेत से छुटकारा पाने के लिए लोग मंदिर जाते हैं लेकिन हमारे देश में एक ऐसा मंदिर है जिसमें जाने से लोग कतराते हैं. कहा जाता है कि मंदिर के अंदर जाने पर भूतों और पिशाचों को डरने लगता है. **लेकिन यह मंदिर ऐसा है जहां जाने से उल्टा लोग ही डर जाते हैं.** दरअसल, हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक छोटे से कस्बे भरमोर में एक मंदिर है. ये मंदिर देखने में तो काफी छोटा है, लेकिन इसकी ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है. इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि लोग इस मंदिर के अंदर जाने की गलती कभी नहीं करते हैं. और भक्त मंदिर के बाहर से ही प्रार्थना कर चले जाते हैं. दरअसल, यह मंदिर मृत्यु के देवता यमराज का है. यही वजह है कि लोग इस मंदिर के पास जाने से भी डरते हैं. यह दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है जो यमराज को समर्पित है. लोगों का कहना है कि इस मंदिर को यमराज के लिए ही बनाया गया था. इसलिए इसके अंदर उनके अलावा और कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता है. गांव के लोगों का कहना है कि इस मंदिर में चित्रगुप्त के लिए भी एक कमरा बनाया गया है, जिसमें वो इंसानों के अच्छे-बुरे कामों का लेखा-जोखा एक किताब में रखते हैं. ऐसा माना जाता है कि, मनुष्यों की मृत्यु के बाद, पृथ्वी पर उनके द्वारा किए गये कार्यों के आधार पर उनके लिए स्वर्ग या नर्क का निर्णय लेने का अधिकार चित्रगुप्त के ही पास है. यानि भगवान चित्रगुप्त ही मृत्यु के बाद इंसान के स्वर्ग या नरक में जाने का निर्णय लेते हैं. कहा जाता है कि इस मंदिर के अंदर चार छिपे हुए दरवाजे हैं जो कि सोने, चांदी, तांबे और लोहे के बने हुए हैं. माना जाता है कि जो लोग ज्यादा पाप करते हैं, उनकी आत्मा लोहे के गेट से अंदर जाती है और जिसने पुण्य किया हो, उसकी आत्मा सोने के गेट के अंदर जाती है.

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल 2025:कॉर्बिन बॉश ने मुंबई के लिए किया डेब्यू

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का 45वां मैच रविवार को मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेला जा रहा है। मैच में लखनऊ की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। मुंबई की टीम बल्लेबाजी कर रही है। इस मैच में मुंबई इंडियंस की तरफ से साउथ अफ्रीका के ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश ने आईपीएल में डेब्यू किया है। मुंबई इंडियंस ने अनोखे अंदाज में सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 卐बिग बॉश (कॉर्बिन बॉश) चाहते हैं आप उनका एमआई डेब्यू जरूर देखें। कॉर्बिन बॉश को मुंबई इंडियंस ने मेगा ऑक्शन में नहीं खरीदा था। वह चोटिल तेज गेंदबाज लिजाद विलियम्स की जगह मुंबई की टीम में रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम शामिल हुए थे। साउथ अफ्रीका के इस स्टार क्रिकेटर ने 86 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 81 के हाइएस्ट स्कोर के साथ 663 रन बनाएं हैं और 59 विकेट लिए हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम पर्थ में ऑस्ट्रेलिया ए से 2-3 से हारी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया दौरे के अपने दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ़ दृढ़ निश्चयी और धैर्यपूर्ण प्रदर्शन किया, लेकिन 2-3 से हार गई। ज्योति सिंह (13वें मिनट) के गोल से भारत ने बढ़त बनाई, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ए ने एवी स्टैंसबी (17वें मिनट), डेल डोल्केंस (48वें मिनट) और जेमी-ली सुरहा (52वें मिनट) के गोल की मदद से वापसी की। भारत का दूसरा गोल सुनीता टोप्पो (59वें मिनट) ने किया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया ए की तुलना में तेजी से शुरुआत की। अपने आक्रमण में शानदार नियंत्रण दिखाया। शुरुआती दबाव मेजबानों पर था, क्योंकि भारत ने तेजी से आक्रमण किया। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ए ने अपनी स्थिति बनाए रखी और भारतीय महिला हॉकी टीम को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अंतत: भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर के अंतिम चरण में एक पीसी जीता और ज्योति सिंह ने 13वें मिनट में बिना समय गंवाए अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। ऑस्ट्रेलिया ए ने दूसरे क्वार्टर में वापसी की और उन्हें पेनाल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे एवी स्टैंसबी ने 17वें मिनट में गोल में बदल दिया। हाफ-टाइम ब्रेक तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। ब्रेक के बाद, ऑस्ट्रेलिया ए और भारतीय महिला हॉकी टीम दोनों ही दूसरे गोल के लिए प्रयासरत थीं, जिसके परिणामस्वरूप दोनों छोर पर हमलों की झड़ी लग गई। क्वार्टर के शुरुआती चरणों में ऑस्ट्रेलिया ए ने सबसे ज़्यादा हमले किए, जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम ने जवाबी हमला किया और तीसरे क्वार्टर को मजबूती से समाप्त किया। दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ए ने बढ़त बना ली, क्योंकि डेल डोल्केंस ने मेजबान टीम के लिए 48वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया।

कोपा डेल रे फाइनल

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 3-2 से हराया कोंडे ने एक्स्ट्रा टाइम में किया विजयी गोल

सेविले ■ एजेंसी

बार्सिलोना के डिफेंडर जूल्स कोंडे ने शनिवार को सेविले में खेले गए रोमांचक कोपा डेल रे के फाइनल में अतिरिक्त समय में गोल दागकर अपनी टीम को रियल मैड्रिड पर 3-2 की शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने रिकॉर्ड 32वां स्पेनिश कप अपने नाम किया। ला कार्तूजा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पेड्री (28वें मिनट) ने बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। लेकिन दूसरे हाफ में सात मिनट के भीतर किलियन एम्बाप्पे (70वें मिनट) और ऑरेलियन चूअमेनी (77वें मिनट) के गोल से रियल मैड्रिड ने मैच में वापसी कर ली। फिर 84वें मिनट में फेरान टोरेस ने गोल कर मैच को अतिरिक्त समय में पहुंचाया। अंततः जूल्स कोंडे ने निर्णायक गोल दागकर बार्सिलोना को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

रियल मैड्रिड के खिलाड़ियों का बर्ताव रहा विवादों में

मैच के अंतिम क्षणों में रियल मैड्रिड के डिफेंडर एंटोनियो रुडिगर को रेफरी की ओर वस्तु फेंकने के कारण लाल कार्ड दिखाया गया। वहीं लुकास वाज़क्वेज़ भी विरोध करने पर बाहर कर दिए गए। रियल कोच कार्लो एंसेलोटी ने मैच के बाद रेफरी पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। रियल मैड्रिड ने एम्बाप्पे को शुरुआती एकादश में नहीं रखा था, लेकिन चोट से उबरने के बाद वह दूसरे हाफ में मैदान पर उतरे और 70वें मिनट में शानदार फ्री-किक से स्कोर बराबर किया। इसके बाद चूअमेनी ने हेडर से मैड्रिड को बढ़त दिलाई। बार्सिलोना के लिए युवा विंगर लामिन यमाल ने भी शानदार प्रदर्शन किया और टोरेस को बराबरी का गोल करने में मदद की। अतिरिक्त समय में बार्सिलोना ने दबदबा बनाए रखा। अंतत: लुका मोड्रिच की गलती का फायदा उठाते हुए कोंडे ने दूर से शक्तिशाली शॉट लगाया और बार्सिलोना को विजयी बना दिया।

डब्ल्यूटीटी कंटेंडर ट्यूनिशिया 2025: मानुष शाह और दीया चितले ने जीता मिक्स्ड डबल्स का खिताब

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मानुष शाह और दीया चितले ने शनिवार को ट्यूनिशिया में खेले गए डब्ल्यूटीटी कंटेंडर 2025 टूर्नामेंट में मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम किया। फाइनल में इस भारतीय जोड़ी ने जापान के सोरा मात्सुशिमा और मिवा हरिमोटो को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया।

भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 11-9, 5-11, 14-12, 3-11, 11-6 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में मानुष और दीया ने ट्यूनिशियाई-मिस्र की जोड़ी वसीम एस्सिद और हना गोडावेरे को सीधे गेमों में हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया था।

पुरुष डबल्स में भी मानुष का शानदार प्रदर्शन - मानुष ने मनव ठक्कर के साथ पुरुष डबल्स के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें जर्मनी के बेनेडिक्ट डूडा और आंद्रे बर्टेल्समायर के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 9-11, 10-12 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी एक समय मैच प्वाइंट पर थी, लेकिन निर्णायक गेम में बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी।

दीया चितले और हरमीत देसाई का एकल सफर रहा चुनौतीपूर्ण - महिला एकल में दीया चितले का सफर प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में खत्म हो गया। उन्हें जर्मनी की साबिने विंटर ने 11-8, 6-11, 7-11, 9-11 से हराया। इससे पहले दिया ने राउंड ऑफ 32 में भारत की टॉप खिलाड़ी मनिका बत्रा को हराकर सनसनी मचाई थी। पुरुष एकल में हरमीत देसाई भी राउंड ऑफ 16 में हार गए। उन्हें जापान के छठी वरीयता प्राप्त हिरोटो शिनोजुका ने 11-9, 9-11, 8-11, 1-11 से मात दी।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग ने न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर को किया रोशन

गुरुग्राम (हरियाणा) ■ एजेंसी

ग्लोबल इंडियन-प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) भारत और दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल कर रही है। रविवार को न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर एक डिजिटल कैंपेन के जरिए भारत के पारंपरिक खेल कबड्डी को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया गया।

यह ऐतिहासिक कदम भारतीय कबड्डी के लिए एक बड़ी छलांग साबित हुआ, जिसने न केवल इस खेल की वैश्विक अपील को उजागर किया, बल्कि लीग के सीमाओं से परे दर्शकों से जुड़ने के प्रयासों को भी रेखांकित किया। टाइम्स स्क्वायर पर कबड्डी की यह भव्य उपस्थिति भारत के स्वदेशी खेल की दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल मंचों में से एक पर शानदार प्रस्तुति का प्रतीक बनी।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी जीआई-पीकेएल में अपने अनुभव का आनंद ले रहे हैं, जो दुनिया भर में कबड्डी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

केन्या की आइरीन एटिएनो ओटिएनो, जो जीआई-पीकेएल में हरियाणवी ईगल्स टीम का हिस्सा हैं, ने कहा, मेरा अनुभव बहुत सीखने वाला रहा है, क्योंकि मुझे लगा था कि मैं कबड्डी के सभी नियम जानती हूं। लेकिन यहां आकर मुझे एक

और अधिक पेशेवर तरीके से कबड्डी खेलना सीखने को मिला। मैं बहुत विनम्र महसूस कर रही हूं।

हंगरी की जीता कोर्बर ने कहा, मैं इस अनुभव का बहुत आनंद ले रही हूं। मेरे देश (हंगरी) के लोग मानते हैं कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि जीआई-पीकेएल में खेल रही हूं, और वे पूरे टूर्नामेंट के दौरान मेरा समर्थन कर रहे हैं।

जीआई-पीकेएल के प्रति प्रतिक्रिया पर बात करते हुए होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कांति डी. सुरेश ने कहा, टाइम्स स्क्वायर पर कबड्डी को देखना हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। यह हमारे इस विश्वास को और मजबूत करता है कि कबड्डी अब वैश्विक मंच के लिए तैयार है। हम बेहद रोमांचित हैं कि दुनिया हमारे खेल को इतने उत्साह के साथ अपना रही है।

इस महीने की शुरुआत में, जीआई-पीकेएल के आगाज से पहले दिल्ली-एनसीआर, बरेली, लखनऊ, देहरादून, गोरखपुर, हैदराबाद और मुंबई जैसे प्रमुख शहरों में 30 से अधिक प्रमुख होर्डिंग्स लगाए गए थे, जिसने ग्लोबल इंडियन-प्रवासी कबड्डी लीग के लिए एक भव्य दृश्य प्रस्तुत किया।

इस बीच, लीग अब अपने निर्णायक चरण की ओर बढ़ रही है, जहां पंजाबी टाइगर्स, मराठी वल्चर्स, तमिल लायंस और भोजपुरी लेपर्ड्स ने शनिवार को गुरुग्राम विश्वविद्यालय में पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

पहला सेमीफाइनल सोमवार को शाम 7 बजे मराठी वल्चर्स और पंजाबी टाइगर्स के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल तमिल लायंस और भोजपुरी लेपर्ड्स के बीच होगा।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेड वॉर के बीच एप्पल की बदली रणनीति से चीन को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापारिक तनाव (ट्रेड वॉर) के बीच एप्पल ने अपनी रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। कंपनी ने योजना बनाई है कि अगले साल तक अमेरिका में बिकने वाले तमाम आईफोन भारत में ही बनाए जाएं। यह कदम चीन से आयात पर बढ़े हुए टैरिफ और व्यापारिक तनाव को देखते हुए उठाया गया है। एप्पल कंपनी वर्तमान में चीन और भारत दोनों ही जगह आईफोन का उत्पादन करवा रही है, लेकिन चीन से आयात महंगा होने के कारण अब कंपनी भारत में अपने उत्पादन को बढ़ा रही है। कंपनी के प्रमुख कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स, जैसे फॉक्सकॉन, बेंगलुरु में अपने प्लांट की क्षमता को बढ़ा रहे हैं। फॉक्सकॉन का नया प्लांट इस महीने के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 20 मिलियन आईफोन तक हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, यदि यह रणनीति सफल होती है, तो 2026 तक भारत में सालाना आईफोन उत्पादन 60 मिलियन यूनिट तक पहुंच सकता है, जो वर्तमान उत्पादन का लगभग दोगुना होगा। एप्पल की ग्लोबल बिक्री में अमेरिका का हिस्सा लगभग 28 प्रतिशत है, इसलिए यह कदम कंपनी की लॉजिस्टिक्स रणनीति और प्रॉफिट मार्जिन पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। एप्पल का यह कदम व्यापारिक रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जो न केवल भारत को एक प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित कर सकता है, बल्कि चीन के प्रति कंपनी की निर्भरता को भी कम कर सकता है।

भारतीय मादक पेय पदार्थों के लिए वैश्विक बाजारों में काफी मौके : अभिषेक देव

नई दिल्ली । एपीडा (एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी) के चेयरमैन अभिषेक देव ने इस संभावनाओं पर जोर दिया है और कहा कि भारतीय मादक पेय पदार्थों के लिए वैश्विक बाजारों में काफी मौके हैं। भारत में बनने वाली शराब की दुनियाभर में मांग तेजी से बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है, और इसका निर्यात 37 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2030 तक एक अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। उन्होंने बताया कि भारत के पास जिन, बीयर, वाइन और रम जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद मौजूद हैं, जिनकी मांग वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है। देव ने भारतीय मादक पेय कंपनियों के परिसंघ (सीआईएबीसी) द्वारा आयोजित एल्कोबेव इंडिया सम्मेलन में कहा, हमारे पास विभिन्न प्रकार के जिन, बीयर, वाइन और रम जैसे अच्छे उत्पाद हैं, जिनकी निर्यात संभावनाएं बहुत अधिक हैं। उन्होंने उद्योग को यह भी सलाह दी कि वे निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नए बाजारों की तलाश करें और घरेलू बाजार से संतुष्ट न रहें। एपीडा के चेयरमैन ने यह भी बताया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जैविक उत्पादों के लिए आपसी मान्यता समझौता फाइनल होने के करीब है, और इसमें जैविक वाइन भी शामिल है।

अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने की दी सलाह

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने के लिए डिजायन टीम बनानी होगी और अपने उत्पादों की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर तक पहुंचाना होगा।

मंत्री ने यह भी कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स कल-पुर्जों की विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत कंपनियों की मंजूरी देने से पहले इन दोनों कारकों पर ध्यान दिया जाएगा, हालांकि इसे औपचारिक मानदंड के रूप में नहीं रखा जाएगा। वैष्णव ने कहा, मैं इस योजना में भाग लेने वाली हर कंपनी से डिजायन टीम बनाने का अनुरोध करता हूं। हालांकि, इसे औपचारिक मानदंड नहीं बनाया गया है, यह एक अनौपचारिक मानदंड के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ कंपनियों ने अपनी डिजायन टीम में 5,000 इंजीनियर शामिल किए हैं।

मंत्री ने स्पष्ट किया, यदि आपके पास डिजायन टीम नहीं है और आप सभी आवश्यक मापदंडों को पूरा कर रहे हैं, तब भी हम आपको मंजूरी नहीं देंगे। डिजायन टीम बनानी ही होगी।

इसके साथ ही मंत्री ने उत्पादों की गुणवत्ता पर भी जोर दिया। उन्होंने

कंपनियों से आग्रह किया कि वे सिक्स सिग्मा गुणवत्ता स्तर हासिल करें, जो उच्चतम गुणवत्ता और दक्षता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, सिक्स सिग्मा से कम कुछ भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम केवल विनिर्माण की मात्रा पर नहीं, बल्कि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी आपकी प्रगति का मूल्यांकन करेंगे।

सिक्स सग्मा से आशय

सिक्स सिग्मा से आशय है एक ऐसी गुणवत्ता प्रक्रिया, जिसका उद्देश्य त्रुटियों को न्यूनतम करना, विविधताओं को दूर करना और गुणवत्ता एवं दक्षता को बढ़ाना है। मंत्री अश्विनी वैष्णव का यह बयान कंपनियों को यह संदेश देता है कि सिर्फ मापदंडों को पूरा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उच्च गुणवत्ता और बेहतर डिजायन प्रक्रिया पर भी ध्यान देना आवश्यक होगा, यदि वे सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाना चाहती हैं।

संसद के मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार संसद के आगामी मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इस विधेयक का उद्देश्य बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को मौजूदा 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करना है। बीमा में ये बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए होगी, जो भारत में पूरा प्रीमियम निवेश करती हैं। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को दी जानकारी में बताया कि सरकार बीमा संशोधन विधेयक को संसद के आगामी मानसून सत्र में पेश कर सकती है। प्रस्तावित विधेयक में बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई का प्रस्ताव है। इस विधेयक का मसौदा तैयार है, जिसे जल्द ही मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के सामने रखा जाएगा। जानकारी के मुताबिक वित्त मंत्रालय को उम्मीद है कि आगामी मानसून सत्र के दौरान इस विधेयक को संसद में पेश किया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग इस विधेयक को संसद में पेश करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। संसद का मानसून सत्र आमतौर पर जुलाई में शुरू होता है। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल के केंद्रीय बजट भाषण में बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा मौजूदा 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा था। वित्त मंत्रालय ने बीमा अधिनियम, 1938 के विभिन्न प्रावधानों में संशोधन करने का प्रस्ताव दिया है, जिसमें बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ाकर 100 फीसदी करना, चुकता पूंजी में कमी और समग्र लाइसेंस का प्रावधान शामिल है।

महिंद्रा कर रही है एसएमएल इसुजु लिमिटेड का टेकओवर, हिस्सेदारी खरीदने का किया ऐलान

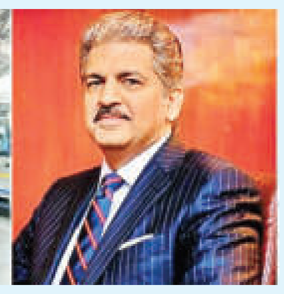

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने एसएमएल इसुजु लिमिटेड में 58.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा इस डील के तहत 650 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से कुल 555 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अतिरिक्त, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सेबी के नियमों के अनुसार, टेकओवर के लिए ओपन ऑफर भी लाएगी। यह जानकारी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शनिवार को साझा की है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसएमएल इसुजु लिमिटेड के प्रमोटर सुमितोमो कॉर्पोरेशन से 43.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी, जबकि 15 प्रतिशत हिस्सेदारी कंपनी के सार्वजनिक शेयरधारकों से खरीदी जाएगी। इसके बाद, महिंद्रा को 26 प्रतिशत और हिस्सा खरीदने के लिए ओपन ऑफर लाना होगा, जो सेबी के नियमों के अनुसार आवश्यक है। यह अधिग्रहण महिंद्रा एंड महिंद्रा की 3.5 टन कॉमर्शियल सेगमेंट में स्थिति को और मजबूत करेगा। वर्तमान में महिंद्रा का इस सेगमेंट में 3 प्रतिशत हिस्सा है। 3.5 टन एलसीवी (लाइट कॉमर्सियल व्हीकल) सेगमेंट में महिंद्रा की हिस्सेदारी 52 प्रतिशत है, और इस अधिग्रहण के बाद उनका मार्केट शेयर 6 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। एसएमएल इसुजु लिमिटेड एक स्थापित और लोकप्रिय ब्रांड है और भारत भर में इसकी मजबूत पकड़ बनी हुई है। कंपनी आइएलसीवी (इंटरमीडिएट एंड लाइट कॉमर्सियल व्हीकल) सेगमेंट में प्रमुख खिलाड़ी है और बस सेगमेंट में इसका 16 प्रतिशत का बाजार हिस्सा है। वित्त वर्ष 2024 में, एसएमएल इसुजु लिमिटेड का ऑपरेटिंग रेवेन्यू 2,196 करोड़ रुपये था, जबकि इसका इबीआईटीडीए 179 करोड़ रुपये रहा था। यह अधिग्रहण महिंद्रा एंड महिंद्रा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उसकी कॉमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में स्थिति को और मजबूत करेगा। महिंद्रा का यह कदम भारतीय ऑटोमोटिव बाजार में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाने और अपनी प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हो सकता है।

साप्ताहिक शेयर समीक्षा : उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार पिछले सप्ताह के दौरान उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद ओवरऑल मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। 21 से 25 अप्रैल तक के कारोबारी सप्ताह के पहले तीन दिन के कारोबार में शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा, जबकि आखिरी दो दिन के कारोबार में गिरावट का शिकार हो गया।

इस सप्ताह सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 659.33 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 79,212.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 187.70 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,039.35 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। माना जा रहा है कि भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर जारी वार्ता के सकारात्मक संकेत, विदेशी निवेशकों की खरीदारी, पहलगाम हमले के बाद बनी तनाव की स्थिति और कंपनियों के मिले-जुले तिमाही नतीजों के कारण घरेलू शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रही। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजी, वारी एनर्जिज, एलटी माइंडट्री और डिवीज लेबोरेट्रीज के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर एनटीपीसी ग्रीन, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, श्रीराम फाइनेंस, स्विगी, एसबीआई कार्ड और पेमेंट सर्विसेज, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, वरुण बेवरेजेज के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

पाकिस्तान से व्यापार पूरी तरह बंद करेंगे भारतीय व्यापारी : कैट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के कारण भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बहुत बढ़ गया है। इस तनाव के बीच भारत के व्यापारियों ने पाकिस्तान के साथ व्यापार न करने का कड़ा निर्णय लिया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सर्वसम्मति से पाकिस्तान के साथ हर तरह का व्यापार पूरी तरह से बंद करने का फैसला किया है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को इसकी जानकारी दी। कारोबारी संगठन कैट की दो दिवसीय राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की (25-26 अप्रैल) बैठक भुवनेश्वर में हुई, जिसमें देशभर के 26 राज्यों के 200 से अधिक प्रमुख व्यापारिक नेताओं ने भाग लिया। इस बैठक में पाकिस्तान से सभी तरह का व्यापार बंद करने का फैसला लिया गया।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि इस दो दिवसीय बैठक में पारित सर्वसम्मत प्रस्ताव में सभी व्यापारी नेताओं ने एक स्वर से पहलगाम में आतंकी घटना की कड़ी निंदा करते हुए पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंधों का पूर्ण बहिष्कार करने का आह्वान किया है। इसके पहले वर्ष 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापारिक संबंधी में तल्खी आ गई थी, जिसके बाद दोनों देशों के बीच व्यापार में भारी गिरावट आई थी।

व्यापारियों के इस पैसले से पाकिस्तान को कई बेहद आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई नहीं हो सकेगी। इससे पाक में दवाइयां, रसायन, फल-सब्जियों समेत कई आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता प्रभावित होगी। हालांकि, इस निर्णय के कारण भारत पर भी असर पड़ेगा। क्योंकि नमक एवं आभूषण से लेकर निर्माण क्षेत्र और जूट की अनेक वस्तुएं पाकिस्तान से आयात की जाती हैं, लेकिन इसके बाद भी व्यापारियों ने एकतरफा निर्णय लेते हुए पाकिस्तान से व्यापार बंद करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 के दौरान भारत ने पाकिस्तान को करीब 50 करोड़ डॉलर मूल्य के उत्पादों का निर्यात किया था, जिनमें मुख्य रूप से दवाइयाँ, रसायन, चीनी और ऑटो पार्ट्स शामिल थे। इसी समयावधि में पाकिस्तान से भारत का आयात मात्र 0.42 मिलियन डॉलर रहा।

संक्षिप्त समाचार

धनपुरी में युवक की संदिग्ध मौत से क्षेत्र में फैली दहशत

शहडोल। धनपुरी थाने के प्रभारी निरीक्षक खेम सिंह पेंद्रो ने कहा, शव को तीन दिन पुराना मानते हुए हमने उचित कार्रवाई शुरू कर दी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटना स्थल से कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला है। शहडोल जिले में धनपुरी थाना क्षेत्र के खोह जंगल में एक पेड़ पर लटकती युवक की लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है। यह शव तीन दिनों पुराना बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, इस शव की पहचान 18 वर्षीय ज्ञान सिंह पिता जयकरण सिंह गोंड के रूप में हुई है, जो खोह गांव का रहने वाला था। ज्ञान के परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से घर से काम के सिलसिले में निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों की चिंता बढ़ गई थी, जिसके बाद वे उसकी तलाश में जुट गए थे। घटना का खुलासा तब हुआ, जब एक स्थानीय निवासी जो जंगल में मवेशी चरा रहा था, उसने पेड़ पर लटकती लाश को देखा। उसने तुरंत इस मामले की सूचना स्थानीय लोगों को दी, जिन्होंने पुलिस को संपर्क किया। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया और उसकी पहचान की प्रक्रिया शुरू की।

ओंकारेश्वर के एकात्म धाम में दो मई तक मनेगा एकात्म पर्व

खंडवा। पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान दो मई को आचार्य शंकर प्रकटोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर 500 शंकरदूतों का दीक्षा संस्कार अभय घाट पर संतों की उपस्थिति में सम्पन्न होगा। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले की धार्मिक तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में सोमवार 28 अप्रैल से दो मई तक पंच दिवसीय एकात्म पर्व मनाया जाना है। इस पर्व को आचार्य शंकर के प्रकटोत्सव के दौरान ओंकारेश्वर के एकात्म धाम में मनाया जायेगा। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास और संस्कृति विभाग मप्र शासन के द्वारा आचार्य शंकर की गुरु एवं संन्यास भूमि पर इस पर्व का शुभारंभ सोमवार सुबह सात बजे महर्षि सांदीपनि वेद विद्यापीठ एवं आर्ट ऑफ लिविंग गुरुकुल के आचार्यों के द्वारा वैदिक अनुष्ठान से किया गया। भव्य शोभायात्रा नर्मदा स्थित अभय घाट से निकलकर नगर भ्रमण करते हुए पुन: अभय घाट पर संपन्न होगी। वहीं इस पर्व के दौरान ओंकारेश्वर में अनेकों प्रकार के आयोजनों भी किये जायेंगे। जिनमें आचार्य शंकर के स्तोत्रों का गायन, वैदिक अनुष्ठान, शोभायात्रा, अद्वैत शारदा पुस्तकालय, अद्वैत लोक प्रदर्शनी और वेदांत-विज्ञान विषयक परिचर्चाएं प्रमुख रहेंगी।

रेलवे ट्रैक पर मिला छात्रा का शव, हादसा या आत्महत्या

बालाघाट। बालाघाट जिले में रेलवे ट्रैक पर छात्रा का शव मिला है, जो दो हिस्सों में बंटा था। यह हत्या है या आत्महत्या, इसको लेकर पुलिस जांच कर रही है। बालाघाट में शनिवार को बालाघाट-वारासिवनी रेलवे ट्रैक पर एक दर्दनाक घटना सामने आई। रेलवे लाइन के किनारे एक कॉलेज छात्रा का शव दो हिस्सों में बंटा हुआ मिला। शव को देखकर आसपास के लोग दहल उठे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। यह दर्दनाक घटना दोपहर करीब एक से दो बजे के बीच सामने आई। रेलवे ट्रैक के खंबा क्रमांक 1045 के पास से गुजर रहे मालगाड़ी चालक ने ट्रैक पर शव पड़ा देखा। उसने तुरंत स्टेशन प्रबंधक को सूचना दी। प्रबंधक ने कंट्रोल रूम के जरिए पुलिस को खबर दी।

कल मंदसौर में कुएं में वैन गिरने से हुई थी 12 लोगों की मौत

रतलाम में एक साथ उठीं 8 अर्थी, बिलख पड़े परिजन, 4 का उज्जैन-मंदसौर में अंतिम संस्कार

रतलाम/मंदसौर ■ निसं

एमपी के मंदसौर में रविवार दोपहर ईको वैन बाइक से टकराकर कुएं में गिर गई। हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई जबकि दो बच्चों समेत 4 लोग घायल हैं। मरने वालों में 8 लोग रतलाम जिले जबकि 2-2 लोग उज्जैन और मंदसौर जिले के रहने वाले थे। सोमवार सुबह सभी मृतकों का अंतिम संस्कार अलग-अलग गांवों में एक साथ किया गया।

रतलाम जिले के खोजनखेड़ा में 6 अर्थियां एक साथ उठीं तो पिपलिया और सुरजना गांव से एक-एक शवयात्रा निकाली गई। वहीं, 4 अन्य लोगों के अंतिम संस्कार उज्जैन और मंदसौर में किए गए। घरों से अर्थियां निकलते ही परिजन बिलखने लगे। ये देखकर मौके पर मौजूद हर किसी की आंखें नम हो उठीं। इससे पहले रविवार को मंदसौर जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शवों को उनके गृह ग्राम के लिए रवाना किया गया था।

आंतरी माता के दर्शन के लिए जा रहे थे: हादसा रविवार दोपहर करीब एक बजे जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र में बूढ़ा-टकरावद फंटे के पास हुआ। वैन सवार करीब 14 लोग उज्जैन जिले के उन्हेल से नीमच जिले के मनासा क्षेत्र के आंतरी माता मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। तभी वैन की एक बाइक से टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही वैन बेकाबू हो गई और कुएं में जा गिरी।

इस हादसे में वैन में सवार 14 में से 10 लोगों की जान चली गई। इसके अलावा एक बाइक सवार और एक शख्स, जो बचाव कार्य के लिए कुएं में उतरा था, उसकी भी मौत हो गई।

डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने बताया कि इस हादसे में कुल 16 लोग शामिल थे, जिनमें दो बच्चे भी थे। पहले बच्चों को निकालकर अस्पताल भेजा गया। गाड़ी बड़ी मुश्किल से बाहर लाई गई है। कुएं में जहरीली गैस के कारण बचाने गए मनोहर सिंह की भी मौत हुई है। उन्होंने 2-3 लोगों को बाहर निकाला था। मुझे जैसे ही घटना के बारे में पता चला, मैं सीधा यहीं आ गया।

घायल बच्चा बोला- बाइक वाला ठीक सामने आ गया

घायल देवेंद्र गहलोत ने बताया- हम हराखेड़ी, उज्जैन में रहते हैं। मेरे साथ कार में मम्मी, नानी और मामा थे। हम आंतरी माता के दर्शन करने जा रहे थे। बाइक वाला हमारे ठीक सामने आ गया। हम भिड़े तो कुएं में गिर गए। मैं निकलने की कोशिश कर रहा था तो पीछे से एक व्यक्ति आया और मुझे निकालकर खाट पर ले गया। हमको फिर लोगों ने ऊपर खींच लिया तो हम हॉस्पिटल आ गए। उसके बाद कुछ नहीं पता।

रेस्क्यू के दौरान मौके पर मौजूद रहे डिप्टी सीएम देवड़ा

हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने अपने स्तर पर रेस्क्यू शुरू किया। थोड़ी ही देर में पुलिस और प्रशासन की टीम भी पहुंची। एसडीईआरएफ की टीम को भी बुलाया गया। टीम रस्सियों के सहारे कुएं में उतरी और रेस्क्यू ऑपरेशन किया। मौके पर डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा भी पहुंचे थे। वे पूरे समय मौके पर ही रहे। कलेक्टर अदिति गर्ग, एसपी अभिषेक आनंद, एडिशनल एसपी गौतम सोलंकी, एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी भी मौके पर मौजूद रहे।

क्रेन की मदद से निकाली शवों से लदी वैन

मौके पर क्रेन भी बुलाई गई। क्रेन की मदद से वैन को कुएं से बाहर निकाला गया। वैन में शव लदे थे। आगे की ओर एक महिला का शव लटकता दिखा। इस तस्वीर ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। कुछ शव कुएं में थे। जिसके बाद मोटर लगाकर कुएं का पानी निकाला। फिर बाकी के शवों को बाहर निकाला गया। यह साफ नहीं हो पाया है कि ईको वैन सीएनजी थी या एलपीजी। एसडीईआरएफ के जवानों ने बताया कि कुएं की गहराई लगभग 80 फीट है। इतनी गहराई में सांस लेने में समस्या होती ही है। इसके अलावा यह वाहन गैस का था, जिसके चलते कुएं के अंदर अभी तक गैस जमा है।

मनोहर ने मौत से पहले 4 लोगों को निकाला: मृतकों में वैन सवारों को बचाने के लिए कुएं में उतरे ग्रामीण मनोहर सिंह भी शामिल हैं। वे लोगों को बचाने कुएं में उतर गए थे। इन्होंने 4 लोगों को कुएं से बाहर भी निकाला। लेकिन इस दौरान कुएं में बनी जहरीली गैस से इनकी मौत हो गई।

जबलपुर में अगवा कर 4 साल की बच्ची से रेप

रोते-रोते घर पहुंची तो मां ने देखे खून के धब्बे, शादी में जा रही थी

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर में शादी में शामिल होने जा रही 4 साल की बच्ची को अज्ञात आरोपी ने अगवा कर रेप की वारदात को अंजाम दया। रोते-रोते बच्ची घर पहुंची और मां से लिपट गई। कपड़ों पर लगे खून के धब्बे देखकर मां को माजरा समझते देर नहीं लगी। वह मझगवां थाने पहुंचीं और अज्ञात आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट में केस दर्ज कराया। पुलिस आरोपी की पहचान में जुट गई है। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की जा रही है। वहीं, बच्ची को लेडी एल्गिन अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मां ने तैयार किया, बच्ची अकेले ही चल दी: मझगवां थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार शाम को कटनी जिले के पान उमरिया गांव से बारात आई थी। खेत में शादी समारोह चल रहा था। वहां जाने के लिए मां ने बच्ची को तैयार किया और घर के बाहर यह कहते हुए बैठा दिया कि थोड़ी देर बाद सब लोग साथ चलेंगे। कुछ देर इंतजार के बाद बच्ची अकेले ही चल दी।

अकेली पाकर आरोपी ने बच्ची को उठाया: रास्ते में आरोपी ने बच्ची को अकेला पाकर उठा लिया और सुनसान जगह ले जाकर रेप किया। इसके बाद अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। ग्रामीणों ने भी बच्ची को समारोह स्थल की ओर जाते हुए देखा था। आशंका है कि आरोपी बारातियों में से ही कोई हो सकता है।

मां बोली- शादी में जाने की जिद कर रही थी: बच्ची की मां ने बताया कि पूरे गांव में शादी को लेकर खुशी का माहौल था। घर से कुछ दूर ही बारात आई थी, इसलिए गांव में भीड़भाड़ भी बहुत थी। बच्ची बार-बार शादी में जाने की जिद कर रही थी, इसलिए उसे तैयार किया और घर के बाहर बैठा दिया। मैं घर के अंदर चली गई। कुछ देर बाद देखा तो वह गायब थी।

पुलिस को मिला संदिग्ध बांग्लादेशी

15 साल पहले फर्जी डॉक्यूमेंट से आया था भारत

सीहोर ■ निसं

सीहोर पुलिस ने संदिग्ध बांग्लादेशी को पकड़ा है। बताया जा रहा है कि यह बांग्लादेशी बीते 15 साल पहले फर्जी डॉक्यूमेंट से भारत आया था। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद देश भर में विदेशी नागरिकों के खिलाफ एक्शन शुरू हो गया है। सीहोर में भी कोतवाली थाना पुलिस ने सीहोर में बरसों से रह रहे एक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद इरशाद पिता मोहम्मद सिराज अपने परिवार के साथ सालों से सीहोर में रह रहा था। वह यहां पर मजदूरी करता था। फिलहाल एक रेस्टोरेंट में कार्य कर रहा था। सीहोर कोतवाली थाना प्रभारी रविंद्र यादव ने बताया कि बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद इरशाद पिता मोहम्मद सिराज लगभग 15 वर्ष पहले फर्जी डॉक्यूमेंट के आधार पर भारत आया था। वह वर्षों से सीहोर में रहकर मजदूरी का कार्य कर रहा था। पुलिस ने उसे पकड़ा है एवं उसके एवं परिवार के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पुलिस ने विदेशी नागरिक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

जिलेभर में की जा रही जांच: अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत ने बताया कि जिलेभर में विदेशी नागरिकों के पासपोर्ट सहित अन्य दस्तावेजों की जांच निरंतर की जा रही है। जिले के सभी थानों को भी निर्देशित किया गया है कि वह अपने-अपने क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखें, साथ ही ऐसे नागरिक जो बाहर से आ रहे हैं उनके दस्तावेजों की भी जांच करें।

सीहोर का बनवा लिया आधार कार्ड और समग्र आईडी

कोतवाली थाना पुलिस द्वारा पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद इरशाद पिता मोहम्मद सिराज के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद इरशाद ने वर्ष 2020 में फर्जी तरीके से सीहोर का आधार कार्ड और समग्र आईडी भी बनवा लिया था। उसने खुद के साथ अपनी पत्नी एवं बच्चों का भी आधार कार्ड बनवा रखा था। कोतवाली थाना पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

भगवा झंडे निकालने पर बैकफुट पर आया नगर निगम

रहवासियों-हिन्दूवादी कार्यकर्ताओं से मांगी माफी, फिर से लगाए भगवा झंडे

इंदौर ■ निसं

इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में हनुमान जयंती के बाद मंदिर परिसर में लगाए गए भगवा झंडे नगर निगम कर्मचारियों द्वारा हटाए जाने का मामला सुलझ गया है। रहवासियों और हिन्दूवादी नेताओं द्वारा घटना के विरोध में नगर निगम का घेराव करने की चेतावनी के बाद जोन कर्मचारी बैकफुट पर आ गए। उन्होंने माफी मांगी और परिसर में सारे भगवा झंडे, पताकाएं फिर से लगा दिए।

घटना जोन-22 क्षेत्र स्थित बीसीएम हाइट्स के पीछे मंदिर परिसर की है, जहां भक्तों ने धार्मिक आयोजन और भागवत कथा के लिए भगवा ध्वज लगाए थे। बुधवार को वहां निगम की टीम पहुंची और झंडे निकाल दिए। यह घटनाक्रम वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया था। मामले में पहले तो निगमकर्मी मना करते रहे लेकिन जब फुटेज बताए तो फिर अपनी गलती स्वीकारी।

स्थानीय रहवासियों और हिंदू संगठनों ने नाराजगी जताते हुए चेतावनी दी है कि यदि झंडे वापस नहीं लगाए गए तो नगर निगम का घेराव किया जाएगा। इसके बाद शनिवार शाम और फिर रविवार को निगमकर्मी मौके पर पहुंचे और सारे भगवा झंडे लगा दिए। रहवासियों का कहना है कि भागवत कथा के लिए आयोजन स्थल को सजाया-संवारा गया है।

एक्सीडेंट में श्योपुर के भाजपा नेता की मौत

कोटा से श्योपुर लौटते समय कार पेड़ से टकराई, तीन साथी घायल

श्योपुर ■ निसं

श्योपुर में सोमवार सुबह सड़क हादसे में भाजपा नेता धर्मेंद्र मीणा की मौत हो गई। उनके साथ कार में सवार तीन दोस्तों की हालत गंभीर है। हादसा सुल्तानपुर के पास सनीजा बावड़ी गांव के निकट हुआ।

भाजपा नेता धर्मेंद्र मीणा भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रह चुके थे। वे अपने तीन साथियों चेतन शर्मा, धरमु गौतम और देवेंद्र गुर्जर के साथ द्वारकाधीश मंदिर के दर्शन कर श्योपुर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में धर्मेंद्र मीणा की मौके पर ही मौत हो गई। चेतन शर्मा को गंभीर चोटें आईं। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद कोटा रेफर किया गया। धरमु गौतम और देवेंद्र गुर्जर को मामूली चोटें आई हैं।

सभी साथी धार्मिक यात्रा से लौट रहे थे। कोटा से श्योपुर की यात्रा के दौरान यह हादसा हुआ। धर्मेंद्र मीणा भाजपा युवा मोर्चा में अपने कार्यकाल के दौरान सक्रिय और लोकप्रिय नेता थे। उनकी असामयिक मृत्यु पर पार्टी कार्यकर्ताओं और क्षेत्र में शोक की लहर है। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

चीता नीरवा ने 5 शावकों को दिया जन्म

MP के कूनो नेशनल पार्क में संख्या बढ़कर 29 हुई, दो चीते गांधीसागर में छोड़े थे

श्योपुर ■ निसं

मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से एक बार फिर खुशखबरी आई है। 5 वर्षीय मादा चीता नीरवा ने पांच स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही प्रदेश में चीतों की संख्या बढ़कर 31 हो गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक्स पर इस खुशखबरी को साझा किया। उन्होंने कूनो नेशनल पार्क की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह भारत के जैव विविधता संरक्षण प्रयासों की सफलता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रकृति संरक्षण की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी एक्स पर इस खबर को साझा किया। बता दें कि कूनो से पिछले दिनो 2 चीते मंदसौर के गांधीसागर में छोड़े गए थे। इसके बाद इनकी संख्या घटकर 24 हो गई थी। अब 5 शावकों के जन्म के बाद चीतों की संख्या बढ़कर 29 हो गई है।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना टीलाजमालपुर भोपाल (म.प्र.)

मर्ग.क्र.06/25 धारा 194 बीएनएसएस — दिनांक 13.04.2025

जाहिर सूचना

दिनांक 10.04.25 को सूचक मोह. अमिर पिता स्व. अजीज खां उम्र 36 साल निवासी मं. नं. 123 गली नं. 4 ब्लाक एक शारदा नगर नारियलखेड़ा थाना गौतम नगर भोपाल मो. 9893803458 ने थाना उपस्थित आकर सूचना दिया कि आज दिनांक 10.04.25 को मृतक - अज्ञात पुरुष उम्र करीबन 50 साल नि. अज्ञात दिनांक 10.04.25 के दिन करीबन 05/30 बजे खाटूश्याम मंदिर के सामने डीपी के पास डिवाइडर बैरसिया बस स्टैण्ड रोड थाना टीलाजमालपुरा भोपाल पर चित अवस्था से पड़ा हुआ है जो मैंने व आस पास के दुकानदारों ने मिलकर चैक किया जो मृत अवस्था में है कि सूचना पर थाना हाजा में मर्ग क्रमांक 06/25 धारा 194 बीएनएसएस का कायम कर जांच से लिया।

अज्ञात पुरुष का हुलिया- रंग सांवला,चेहरा लम्बा, बदन दुबला पतला, कद करीबन 5 फिट 4 पहनावा-सफेद रंग की टीशर्ट व ग्रे कलर का लोवर पहने है व बाल काले सफेद है व चेहरे पर सफेद काली दाढ़ी मूंछ है।

अत: आपसे निवेदन है कि थाना हाजा के मर्ग क्रमांक 06/25 धारा 194 बीएनएसएस मे मृतक अज्ञात अज्ञात पुरुष उम्र लगभग 50 साल निवासी अज्ञात की तलाश करे। जानकारी मिलने पर थाना टीलाजमालपुरा के दूरभाष क्र. 7587601815 एवं जांचकर्ता का दूरभाष नं. 999336302 पर सूचित करने का नष्ट करे।

थाना प्रभारी
थाना टीलाजमालपुरा, भोपाल

G-12074/25

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यान्त्रिकीय विभाग मैकेनिकल खंड अशोक विहार, लहारपुरा डेम के समीप, बाग मुंगालिया भोपाल

Fax & Phone No. 0755-2930001, E-Mail ID:-emphbpl@mp.nic.in

क्रमांक 518 तक/का.यं./लो.स्वा./मैके.खण्ड/2025/भोपाल/ — दिनांक 23.04.2025

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 04/2025-26 दिनांक 23.04.2025 ऑन-लाईन निविदा क्रमांक 2025 PHED_418631_1 दिनांक 23.04.2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के दौरान नर्मदापुरम जिले की विभागीय कॉम्बीनेशन रिग मशीन से खनिज किये जाने वाले ग्रेव्हल पेक नलकूपों हेतु 120 क्यु.मी. ग्रेव्हल प्रदाय करने हेतु (विभागीय यू.एस.ओ.आर. 01 सितम्बर 2023 के अनुसार) ऑनलाईन डिजिटली हस्ताक्षरित निविदा दिनांक 08.05.2025 सायं 17.00 बजे तक अनुभवी ठेकेदार से प्रपत्र "Annexure 2.10" पर आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु अभिलेखों जैसे प्रतिभूति राशि पावती, उक्त कार्य हेतु केंद्रीय पंजीयन प्रणाली, लोक निर्माण विभाग में पंजीयन का प्रमाण-पत्र इत्यादि (निविदा अनुसार) निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से ऑन-लाईन जमा करना होगा। निविदा दिनांक 09.05.2025 को सायं 17.15 बजे ऑन लाईन खोली जावेगी। कार्य की अनुमानित लागत रुपये 4,82,400/-(रुपये चार लाख बयासी हजार चार सौ) मात्र है तथा प्रतिभूति राशि रुपये 9,648/-(रु. नौ हजार छ: सौ अड़तालीस) मात्र है। निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्युमेंटस) राशि रुपये 2000/- दिनांक 08.05.2025 सांय 17.00 बजे तक ऑन लाईन भुगतान करने के उपरान्त वेबसाईट: https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं। परिशिष्ट/संशोधन केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जावेगा।

कार्य का नाम	टेण्डर के प्राक्कलन की अनुमानित लागत राशि (रु.)	धरोहर राशि (रु.)	टेण्डर का मूल्य (रु.)	टेण्डर आनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि	टेण्डर खुलने की तिथि	टेण्डर खुलने की तिथि
वर्ष 2025-26 के दौरान नर्मदापुरम जिले की विभागीय कॉम्बीनेशन रिग मशीन से खनित किये जाने वाले ग्रेव्हल पेक नलकूपों के लिये 120 क्यु. मी. ग्रेव्हल प्रदाय कार्य	4,82,400.00	9,648.00	2,000.00	08.05.2025 17.00 तक	09.05.2025 17.15 बजे	अनुबंध से दिनांक 06 माह

निविदा से संबंधित अन्य समस्त शर्तें एवं विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ऑन-लाईन निविदा क्रमांक 2025_PHED_418631_1 दिनांक 23.04.2025 उपलब्ध है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा. यां.वि.मैकेनिकल खण्ड,भोपाल

G-12036/25

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यान्त्रिकीय विभाग मेकेनिकल खंड
अरविन्द विहार लहारपुरा डेम के समीप, बाग मुंगालिया भोपाल 462043

Fax & Phone No. 07.55 2767309, E-Mail ID:-emphbpl@mp.in.in

क्रमांक 512 तक/तक./का.यं./लो.स्वा.यां.वि./मैके.खण्ड/2025/भोपाल/ — दिनांक 23.04.2025

दैनिक किराये पर वाहन उपलब्ध कराने हेतु निविदा क्रमांक 01/2025-26 ऑन-लाईन निविदा क्रमांक 2025 PHED_418628_1 दिनांक 23.04.2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के दौरान आवश्यकता पड़ने पर दैनिक किराये पर, वाहन उपलब्ध कराने हेतु आर.टी.ओ. कार्यालय में रजिस्टर्ड प्रतिष्ठित एजेन्सियों से, जिन्हें इस तरह के कार्यों पर न्यूनतम 05 वर्षों का अनुभव हो तथा प्रदायकर्ता/फर्म के नाम पर कम से कम 10 (इनोवा/स्कॉर्पियो/समकक्ष वाहन, टाटा जेस्ट/डिजायर/एडियोज/फोर्ड अस्पायर/समकक्ष वाहन) वाहन रजिस्टर्ड हों, से दैनिक किराये पर (ईंधन सहित) की प्रस्तावित दरों हेतु ऑन लाईन डिजिटली हस्ताक्षरित निविदा दिनांक 08.05.2025 सायं 17.00 बजे तक एपेंडिक्स 2.10 पर आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु अभिलेखों जैसे ई.एम.डी एवं अन्य वांछित दस्तावेज निविदा अनुसार निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से ऑन-लाईन प्रस्तुत करना होगा। निविदा फार्म दिनांक 08.05.2025 सांय 17.00 बजे तक बेवसाईट: https://mptenders.gov.in पर राशि रुपये 2000/-(रु दो हजार) मात्र भुगतान कर ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं

विवरण निम्नानुसार है:-

टेण्डर के प्राक्कलन की अनुमानित लागत राशि (रु.)	धरोहर राशि (रु.)	टेण्डर का मूल्य (रु.)	टेण्डर आनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि	टेण्डर खुलने की तिथि	समय अवधि
4,99,500.00	9,990.00	2,000.00	08.05.2025 17.00 बजे तक	09.05.2025 17.15 बजे तक	अनुबंध दिनांक से 01 वर्ष

निविदा से संबंधित अन्य समस्त शर्तें एवं विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ऑन-लाईन निविदा क्रमांक 2025_PHED_418628_1 दिनांक 23.04.2025 उपलब्ध है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा. यां.वि.मेकेनिकल खण्ड
भोपाल

G-12082/25

हिन्दू युवतियों से दरिंदगी

कई और लड़कियां शिकायत करने आगे आईं

लव जिहाद के दरिंदों का पुलिस ने जुलूस निकाला

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी के टीआईटी कॉलेज की आधा दर्जन से अधिक युवतियों के साथ दरिंदगी के मामले में नित नए खुलासे होते जा रहे हैं। खबर है कि आज पुलिस ने लव जिहाद के दरिंदों का जुलूस निकाला है हलांकि जुलूस के मामले में पुलिस अधिकारी कुछ कहने को तैयार नहीं। गैंग का सरगना माना जा रहा ऐशबाग क्षेत्र के छोटा चंबल निवासी फरहान खान ने वर्ष 2022 में जिस युवती के साथ पहली बाद दुष्कर्म किया था, उसके साथ अब तक उस गिरोह के पांच युवक अलग-अलग समय व स्थान पर दुष्कर्म कर चुके हैं। इस मामले को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गंभीरता से लेते हुए शख्त कार्यवाही के निर्देश दिये हैं।

फरहान पढ़ाई के बाद पुरानी गाड़ी खरीदने और बेचने का कार्य करता है, जबकि डांस क्लास के जरिए गरीब हिंदू युवतियों को प्रेम का झांसा देकर लव जिहाद में फंसाने वाले साहिल की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं। ऐसे में

मुस्लिम महिला हिन्दू लड़कियों को शरीरिक संबंध बनाने के लिए डालती थी दबाव

दोनों युवक महंगे शौक, बड़े होटलों में युवतियों को खाना खिलाने, घुमाने ले जाने पर पैसे खर्च करते थे। यह पैसा कहां से आता था। पुलिस इस ऐंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं इस गिरोह को लव जिहाद को बढ़ावा देने के कहीं से फंडिंग तो नहीं हो रही है। इस बीच फरहान की एक मुस्लिम महिला मित्र का पता चला है, जिसे वह पहले अपनी बहन बताता था। अब में वह प्रेमिका बताई जा रही है।

हिंदू युवतियों का ब्रेनवॉश कर मुस्लिम युवतों के साथ शारीरिक संबंध बनाने, मुस्लिम लिबास पहनने की आदत अपनाने, उनके वसूलों को मानने के लिए प्रेरित करती थी। इसी तरह डांस क्लास चलाने वाले साहिल की भी एक प्रेमिका का पता चला है जो अशोका गार्डन में एक कास्मेटिक की दुकान में नौकरी करती है। पता चला है कि कास्मेटिक की दुकान पर आने वाली युवतियों को छरहरा बदन बनाने के लिए डांस क्लास ज्वाइन करने की सहाल देती थी और साहिल से मिलवाकर उनका डांस क्लास में एडमिशन दिलाती थी। पैसों की कमी की बात करने वाली गरीब हिंदू युवतियों को साहिल के साथ जिस्मानी संबंध बनाकर मुफ्त में डांस सीखने का दबाव बनाती थी। पुलिस अब फरहान और साहिल की कथित प्रेमिकाओं से भी पूछताछ करने की तैयारी में है। इसके साथ ऐशो-आराम के लिए फंडिंग के सोर्स का भी पता लगाना शुरू कर दिया है।

पोर्न मूवी इंडस्ट्री से संबंध तो नहीं, जांच शुरू

आरोपियों के मोबाइल के भीतर वीडियो कहां-कहां शेयर हुए इस बात की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस को शक है कि कहीं यह यह वीडियो पोर्न मूवी इंडस्ट्रीज में बेचे तो नहीं गए। जिसकी सच्चाई का पता लगाने आरोपियों के सभी बैंक खातों को खंगाला जा रहा है। अभी उन खातों की ट्रांजेशन पुलिस को नहीं मिली है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस मामले में कई युवतियों के संपर्क में अधिकारी हैं। उन्हें भरोसे में लेकर आरोपियों को बेनकाब करने और सजा दिलाने के लिए अफसर परिजनों को यकीन दिला रहे हैं।

दरिंदगी का शिकार छात्राओं की संख्या एक दर्जन से अधिक

लवजिहाद, रेप, ब्लैकमेलिंग के इस गिरोह का शिकार एक दर्जन से अधिक हिंदू युवतियां हो सकती हैं। जिस लड़की ने इस मामले में चौथा प्रकरण दर्ज कराया है, वह अभी 18 वर्ष की नहीं हुई है। फरहान के मोबाइल में दर्जन भर से अधिक युवतियों के कई अश्लील वीडियो मिले हैं, जिसमें वह युवतियों के साथ शारीरिक संबंध बना रहा है, हिंदू धर्म को जलील कर रहा है और हिंदू युवतियों को नशा करा रहा, नहीं करने पर टार्चर कर रहा है। फरहान के मोबाइल में इंदौर की दो युवतियों के कई अश्लील वीडियो मिले हैं, जिनमें एक भोपाल वाली छात्राओं में शामिल है, लेकिन दूसरी इंदौर की बड़ी कॉलेज की छात्रा है। उसने अभी तक प्रकरण दर्ज नहीं कराया है।

अपना दल ने 10 लाख सदस्य बनाने का संकल्प लिया

भोपाल ■ अमृत दर्शन

अपना दल (एस) मध्यप्रदेश की प्रदेशस्तरीय बैठक का आयोजन अवंतिका होटल अशोका गार्डन भोपाल में आयोजित की गई। बैठक में सदस्यता अभियान में गति लाने पर जोर दिया गया। साथ ही 10 लाख सदस्य बनाने का संकल्प लिया गया।

मध्यप्रदेश के सभी जिलों के हजारों पदाधिकारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डाक्टर अखिलेश पटेल रहें। अध्यक्षता डाक्टर अतुल मालिकराम नें की बिसीष्ठअतिथि अपना दल के प्रदेश महासचिव मध्य प्रदेश श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं युवा प्रदेश अध्यक्ष श्री मान सिंह नें कार्यकर्ताओ को सम्बोधित किया। इस अवसर पर सैकड़ोकार्याकरता उपस्थित रहें सर्व श्री मनोज पटेल रोहित चंदेल, मुस्कान सिंह, बन्दना नामदेव जी प्रदीप पटेल, बबलू यादव, मीनू गुप्ता, एस आर नागले,मीना श्रीवास्तव, सुदामा प्रसाद, मुकेश मराठा, अनिल सोनी, राधेश्याम ब्यास, देवेन्द्र कटियार, आर के सनौड़िया, अर्जुन पटेल आदि लोग उपस्थित रहें। इस अवसर पर करयाकताओ को सम्बोधित करते हुए अखिलेश पटेल नें कहा की गरीबो सोसितो के मसीहा डाक्टर सोनेलाल पटेल के सपनो का भारत बनाने के लिए अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन अनुप्रिया पटेल जी का साथ दें। इस अवसर पर अतुल मालिक राम नें सदस्यता पर जोर दिया। अपना दल मध्यप्रदेश के महामंत्री श्री देवेंद्र प्रताप सिंह नें दल की रीत नीत पर बिस्तार से चर्चा की। साथ ही प्रदेश में अपना दल की ताकत को अगले बिधान सभा चुनाव मे इतना कर देंगे की अपना दल के बगैर सरकार नहीं बनेगी। मान सिंह जी नें अपने उद्बोधन में कहा की प्रदेश में 27 प्रतिशत आरछण को लागू कराकर ही दम लेगे। संचालन रोहित चंदेल नें किया।

रेल पटरियों की सुरक्षा को मिला डिजिटल कवच

भोपाल ■ अमृत दर्शन

यूएसएफडी तकनीक से संरक्षा सुदृढ़

भोपाल मंडल में रेल पटरियों की आंतरिक संरचना की सूक्ष्म जांच के लिए अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन (स्न्नष्ठ) तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। यह नवीनतम तकनीक रेल की पटरियों में समय के साथ उत्पन्न होने वाले आंतरिक दोषों को प्रारंभिक अवस्था में ही चिन्हित कर लेती है, जिससे आवश्यक अनुरक्षण कार्य समय पर पूरा किया जा सके और यात्री व मालगाड़ियों का परिचालन पूरी तरह सुरक्षित और संरक्षित रह सके।

भोपाल मंडल में वर्तमान में लगभग 2000 किलोमीटर ट्रैक की नियमित रूप से स्न्नष्ठ मशीनों द्वारा जांच की जा रही है। इस जांच की आवृत्ति ट्रेनों के आवागमन के घनत्व (त्नरूञ्ज) पर आधारित होती है और मंडल के विभिन्न सेक्शनों में प्रत्येक दो से चार माह में ट्रैक की जाँच की जाती है।

मंडल में वर्तमान में कुल 08 स्न्नष्ठ टीमों का गठन किया गया है, जिनमें 15 प्रशिक्षित इंजीनियर कार्यरत हैं। ये सभी इंजीनियर बी-स्कैन स्न्नष्ठ मशीनों से लैस हैं, जो ट्रैक की आंतरिक स्थिति को डिजिटल रूप में दर्ज कर तुरंत विश्लेषण की सुविधा प्रदान करती हैं। वेल्ड की सटीक जांच हेतु सभी टीमों को डिजिटल वेल्ड टेस्टर भी प्रदान किए गए हैं, जिससे वेल्डिंग खामियों का सटीकता से पता लगाया जा सके। ट्रैक जांच के दौरान संपूर्ण कार्य का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाता है, जिसे विश्लेषण कर आवश्यक कार्रवाई की जाती है। वर्ष 2024-25 में मंडल के स्तर पर 10,000 किलोमीटर ट्रैक, 34,000 वेल्ड, 4704 टर्नआउट और 4498 स्वीच एक्सपेंशन जॉइंट्स की सूक्ष्मता से जांच की गई। इस जांच के दौरान 861 फ्लॉ चिन्हित किए गए, जिनकी तत्काल मरम्मत कर दी गई, जिससे ट्रेनों के संचालन में कोई व्यवधान न आए और संरक्षा मानकों का पूर्ण पालन हो सके। भोपाल मंडल के स्न्नष्ठ इंजीनियरों को समय-समय पर आरडीएसओ लखनऊ एवं इरिसेन पुणे जैसे संस्थानों में विशेषज्ञ प्रशिक्षण हेतु भेजा जाता है, ताकि वे नवीनतम तकनीकी मानकों के अनुरूप कार्य कर सकें और संरक्षा में निरंतर सुधार किया जा सके। स्न्नष्ठ तकनीक आज भारतीय रेलवे की संरक्षा प्रणाली का एक अविभाज्य अंग बन चुकी है। यह न केवल ट्रैक की विश्वसनीयता और स्थायित्व को सुनिश्चित करती है, बल्कि समय रहते खतरों की पहचान कर संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम में भी सहायक सिद्ध हो रही है। भोपाल मंडल इस तकनीक के कुशल क्रियान्वयन से ट्रेनों के संरक्षित संचालन की दिशा में लगातार सफलताएं अर्जित कर रहा है।

आरिफ मसूद को जान से मारने की धमकी

भोपाल। राजधानी के मध्य विधानसभा से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को जान से मारने की धमकी दी गई है। व्हाट्सएप पर धमकी दिये जाने के बाद आरिफ मसूद ने शाहजहांनाबाद थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस इस मामले में तहकीकात कर रही है।

राशन हितग्राही 30 अप्रैल तक ई-केवाईसी जरूर कराएं

भोपाल। मध्य प्रदेश में राशन लेने वाले सभी लाभार्थियों के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य कर दिया गया है। इस प्रक्रिया के लिए 30 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अगर कोई लाभार्थी 30 अप्रैल तक अपनी ई-केवाईसी पूरी नहीं कराते हैं, तो उसे मई महीने से राशन मिलने में असुविधा हो सकती है। राशन हितग्राही 30 अप्रैल तक ई-केवाईसी जरूर करायें। राशन लाभार्थियों की सुविधा के लिए मेरा ई-केवाईसी नामक मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है। इस ऐप के माध्यम से कोई भी लाभार्थी, चाहे वह वृद्ध, दिव्यांग या सामान्य व्यक्ति हो, घर बैठे अपनी और अपने परिजनों की ई-केवाईसी कर सकता है।

भोपाल। भेल क्षेत्र स्थित बरखेड़ा में शराब की दुकान खुलने के विरोध में कॉलोनी के रहवासियों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन कारियों का कहना है कि क्षेत्र शराब की दुकान होने से बदमाशी बढ़ेगी। खासकर युवतियों तथा महिलाओं के साथ छेड़छाड़ जैसी घटनाओं में बढ़ोतरी होगी।

भोपाल। शहीद गेट पर सर्वधर्म सद्भावना संगठन द्वारा पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में मृत पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर सर्व सद्भावना संगठन के अध्यक्ष हाजी इमरान ने बताया कि इस श्रद्धांजलि सभा में सभी धर्म के धर्मगुरु शामिल हुए।

भोपाल। भारत टॉकीज चौराहे पर ग्रैंड होटल के पास बने टावर पर युवक चढ़ा।

नेमा समाज ने किया रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

शिविर में विश्व विख्यात गायक मानस मयंक पंडित अजय याज्ञिक ने रक्तदान करने वाले युवक एवं चिकित्सकों को किया सम्मानित।

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नेमा समाज भोपाल द्वारा श्री वल्लभाचार्य जी के 548वें प्राकटय उत्सव के उपलक्ष्य में श्री जी मंदिर लखेरापुरा भोपाल में आयोजित रक्तदान व स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। भोपाल नेमा समाज को इस पृण्य कार्य में सहभागी बनने का अवसर मिला है। रक्त की उपलब्धता को लेकर जनमानस के बीच कई तरह की कठिनाइयां पैदा हो रही है इस बीच मानवीय संवेदना को ध्यान में रखते हुए नेमा समाज के युवा साथियों ने पीड़ित मानव की सेवा को अपना धर्म समझकर रक्तदान किया।

नेमा समाज भोपाल के सचिव नितेश नेमा ने बताया कि नर सेवा नारायण की सेवा के समतुल्य ही मानी गई है। समाज में रक्तदान को महादान माना जाता है, क्योंकि रक्तदान के कारण अनेक जीवन को बचाया जा सकता है। रक्तदान एक जीवनदान है। हर व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए। क्योंकि यह किसी अन्य व्यक्ति के जीवन को बचाने में मदद कर सकता है। रक्तदान सुरक्षित और सरल है, और इससे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। आज आप रक्तदान कर किसी की जान बचा सकते हैं, कल कोई आपके लिए रक्तदान कर आपके जीवन को बचा सकता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक ऐसा काम है जो बिना किसी खर्च के किया जा सकता है, लेकिन यह अमूल्य है। रक्तदान एक ऐसा पुण्य का काम है, जो मानवता को बचाता है। रक्तदान ही महादान होता है, जिसकी एक-एक बूंद से जीवनदान मिलता है।

इस अवसर पर नेमा समाज के अध्यक्ष राहुल गुप्ता, संयोजक राकेश नेमा, उपाध्यक्ष कृष्ण मोहन गुप्ता, प्रवीण गुप्ता एवं राकेश गुप्ता साहित श्री जी मंदिर के पंडित हेमकांत शर्मा, श्रीकांत शर्मा, विनीत महेश्वरी, राकेश अग्रवाल साहब सहित अनेक समाजसेवी शामिल हुए। रक्तदान शिविर में नीतेश नेमा, संजीव नेमा, अमित गुप्ता ने रक्तदान कर पुनीत कार्य में सहयोग प्रदान किया।

भोपाल। गुजराती भवन में मध्य प्रांत सोना चांदी गलाई संगठन की बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर मध्य प्रांत सोना चांदी गलाई संगठन के सदस्यों के द्वारा पहलगाम में पर्यटकों के ऊपर हुए हमले में मृत पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

लेखक संघ की प्रादेशिक गीत गोष्ठी संपन्न

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश लेखक संघ द्वारा प्रादेशिक गीत गोष्ठी का आयोजन रविवार, 27 अप्रैल 2025 को अपराह्न 2 बजे से दुष्यन्त कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय, शिवाजी नगर, भोपाल में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि, वरिष्ठ गीतकार मयंक श्रीवास्तव ने सुनाया, और कितने दिन अभी मेरी, ज़रूरत है तुम मुझे अनुयायियों से बात करने दो वहीं वरिष्ठ साहित्यकार, सारस्वत आतिथि डॉ. राम वल्लभ आचार्य ने सुनाया देते जो आभास नीर का मरुथल ऐसे हैं, मृग मारिचिका है मन में, या छल ऐसे हैं। वरिष्ठ गीतकार, विशिष्ट आतिथि ऋषि श्रृंगारी ने सुनाया घटा बन कर बरसना तुम, सजनवा प्यार करना तुम, किनारे जब उतरना तुम, सजनवा प्यार करना तुम, संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र गट्टानी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में बताया कि लेखक संघ के साथ युवा रचनाकारों को जोड़ना उनकी प्राथमिकता में है और बहुत से युवा संघ से जुड़ रहे हैं। गोष्ठी में प्रदेश के चर्चित गीतकारों में रामराव वामनकर ने सुनाया, मन लागा रे बलम सँग लागा, बीच न कोई धागा...भोपाल के वरिष्ठ कवि अशोक कुमार धमेनियाँ ने पढ़ा, दुनिया में दुख देखा जब से,नयनों अश्रु हैं छा जाते, भावों में ढलकर फिर तो वह, कविता रूप उतर आते, भोपाल की वरिष्ठ कवयित्री ममता बाजपेयी ने सुनाया, आँखों से नीदें उलीचने वाले दिन, कहाँ गए उल्लास सींचने वाले दिन.. मंच संचालक मनीष बादल ने सुनाया, उम्मीदों की किरणें रूठीं और बुझी है बाती भी, फिर भी हँसकर काट रहा हूँ अपनी साढ़े साती भी. दूसरी मंच संचालिका प्रार्थना पंडित ने सुनाया, मैंने पूरा लिख लिख डाला,फिर भी पीड़ा शेष रही, आते जाते नये दिनों की, स्मृतियों का अवशेष रही?...ग्वालियर से पधारी डॉ जयमाला मिश्रा ने पढ़ा, मेरा बहुत पुराना गांव सखी शहरों में बदल गया, लेकर आया डाक डाकिया गलियां भटक गया वहीं दतिया से आये डॉ राज गोस्वामी ने सुनाया, हठधर्मी की अगर प्रकृति से, हारोगे बाजी, चल न सकेगी बंधु तुम्हारी यह नक्शेबाजी शिवपुरी से आये मुकेश अनुरागी ने सुनाया, जीवन की संध्या में मित्रो, सिमट सिमट कर बने इकाई, जिनकी गाथा कही उम्रभर, उनको पीर समझ नहीं आई भोपाल की श्रीमती वीणा विद्या गुप्ता ने पढ़ा, कैसे गीत खुशी के गाऊं साजन बिन, कैसे मन को धीर बंधाऊं साजन बिन। कार्यक्रम में मुरैना से आये गीतकार कैलाश गुप्ता के गीत संग्रह पुस्तक, भूख पर पहरे का लोकार्पण भी हुआ। कार्यक्रम के अंत में मध्यप्रदेश लेखक संघ के आजीवन सदस्य राकेश वर्मा हैरत एवं पहलगाम में मारे गये लोगों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त की गई।

अमृत दर्शन

आवश्यकता है

एक पढ़े लिखे अनुभवी ड्रायवर की। पार्ट टाईम, अच्छा वेतन

तुरंत संपर्क करें

मो.: 9827054436

अमृत दर्शन

तत्काल आवश्यकता है

एक पढ़े लिखे युवक/युवती की जिसे डीटीपी का पूर्ण ज्ञान हो। अच्छा वेतन

तुरंत संपर्क करें

मो.: 9827054436

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।